भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो इंसान बाहर की दुनिया में सब कुछ सह लेता है, यदि वही धैर्य घर के रिश्तों में भी ले आए, तो जीवन की सबसे बड़ी जीत वहीं हासिल हो जाए।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-51 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 10 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जीवन की यात्रा और घर की परीक्षा : क्यों बाहर सहनशील, भीतर असहिष्णु हो जाते हैं हम

जीवन को अक्सर एक यात्रा कहा जाता है, और यह उपमा केवल काव्यात्मक नहीं, बल्कि व्यवहारिक सत्य भी है। हम रोज़ किसी न किसी रूप में यात्रा करते हैं–कभी बस में, कभी ट्रेन में, कभी हवाई जहाज में और कभी जीवन की अनदेखी पगडंडियों पर। आश्चर्य की बात यह है कि जब हम सार्वजनिक परिवहन में सफर कर रहे होते हैं, तब हमारे भीतर सहनशीलता, धैर्य और समायोजन (एडजस्टमेंट) का अद्भुत गुण स्वतः जागृत हो जाता है। तंग सीट, देर से चलती ट्रेन, शोर मचाता सह-यात्री या सामान रखने की असुविधा–इन सबके बावजूद हम प्रायः मुस्कुराकर या चुप रहकर यात्रा पूरी कर लेते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि वही व्यक्ति जब अपने घर की दहलीज पर कदम रखता है, तो उसके व्यवहार में एक अजीब सा परिवर्तन आ जाता है। जो इंसान सफर में हर असुविधा को सहजता से स्वीकार कर लेता है, वही घर में छोटी-छोटी बातों पर झुंझला उठता है। कभी खाने में नमक कम होने पर, कभी बच्चों की शरारत पर, तो कभी जीवनसाथी की किसी बात पर उसका धैर्य जवाब दे जाता है। यहीं से परिवार के प्रेम, विश्वास और एकता में दरारें पड़ने लगती हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

दरअसल, परिवार वह नाव है जो हमें जीवन रूपी सागर के पार ले जाती है। इस नाव में माता-पिता का अनुभव, जीवनसाथी का साथ, बच्चों की मुस्कान और रिश्तों की डोर जुड़ी होती है। यदि इस नाव के भीतर ही कलह, तकरार और असहिष्णुता का तूफान उठने लगे, तो बाहर का सागर कितना ही शांत क्यों न हो, यात्रा कठिन हो जाती है। दुख की बात यह है कि हम इस सत्य को समझते तो हैं, पर अपनाने में अक्सर चूक जाते हैं। सफर के दौरान हम 'एडजस्ट' क्यों कर लेते हैं? क्योंकि हमारे मन में यह स्पष्ट होता है कि यह स्थिति अस्थायी है, और मंज़िल तक पहुँचना अधिक महत्वपूर्ण है। हम जानते हैं कि थोड़ी देर की असुविधा के बाद हम अपने गंतव्य पर होंगे। शायद इसी सोच के कारण हम सह-यात्रियों की कमियों को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उनसे भावनात्मक अपेक्षाएँ नहीं रखते, इसलिए उनके व्यवहार से अधिक आहत भी नहीं होते। इसके विपरीत, परिवार में हमारी अपेक्षाएँ बहुत अधिक होती हैं। हम चाहते हैं कि हमारे अपने हर बात समझें, हर भावना का सम्मान करें और हर परिस्थिति में हमारे अनुसार ही चलें। जब ऐसा नहीं होता, तो निराशा, क्रोध और कटुता जन्म ले लेती है। हम यह भूल जाते हैं कि परिवार के सदस्य भी इंसान हैं–उनकी अपनी सीमाएं, कमजोरियां और परिस्थितियां हैं।

यहीं पर 'एडजस्टमेंट' का सही अर्थ समझना आवश्यक हो जाता है। एडजस्टमेंट का मतलब यह नहीं कि हम अपने आत्मसम्मान या मूल्यों से समझौता कर लें। इसका अर्थ है–अपनों के प्रति थोड़ा झुक जाना, थोड़ा धैर्य रखना और उनकी कमियों को उतनी ही सहजता से स्वीकार करना, जितनी सहजता से हम सफर में किसी अनजान सह-यात्री की आदतों को स्वीकार कर लेते हैं। यदि हम घर को भी एक यात्रा मान लें, तो दृष्टिकोण बदल सकता है। जैसे हम यात्रा के दौरान सोचते हैं कि 'चलो, थोड़ी देर की बात है', वैसे ही यदि घर में किसी बात पर मन खिन्न हो, तो हम यह सोचें कि 'यह रिश्ता जीवन भर का है, एक क्षण की नाराज़गी से इसे क्यों बिगाड़ें?'

यह सोच हमें संयम सिखाती है।

आज के समय में जब जीवन की गति तेज़ है, तनाव और प्रतिस्पर्धा हर व्यक्ति को थका रही है, तब घर ही वह स्थान होना चाहिए जहाँ मन को विश्राम मिले। लेकिन यदि घर ही तनाव का केंद्र बन जाए, तो व्यक्ति भीतर से टूटने लगता है। इसका प्रभाव न केवल मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि समाज की संरचना भी कमजोर होती है। क्योंकि परिवार मजबूत होगा, तभी समाज मजबूत होगा। यह भी सच है कि बच्चों का व्यक्तित्व परिवार के वातावरण से ही आकार लेता है। यदि वे रोज़ घर में कलह, ताने और असहिष्णुता देखेंगे, तो वही व्यवहार वे जीवन में अपनाएंगे। इसके विपरीत, यदि वे माता-पिता को एक-दूसरे के प्रति धैर्यवान, सम्मानपूर्ण और समझदार देखेंगे, तो उनके भीतर भी वही संस्कार विकसित होंगे।

अंततः यह स्वीकार करना होगा कि जीवन की सबसे लंबी और महत्वपूर्ण यात्रा घर से शुरू होकर घर पर ही समाप्त होती है। बाहर की यात्राएँ हमें मंज़िल तक पहुँचा सकती हैं, लेकिन भीतर की यात्रा हमें इंसान बनाती है। जिस दिन हम यह सीख लेंगे कि घर में भी उसी तरह एडजस्ट करना है जैसे हम सफर में करते हैं, उस दिन परिवार बोझ नहीं, बल्कि सबसे सुंदर सहयात्री बन जाएगा।

याद रखें, एडजस्टमेंट कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का संकेत है। यह प्रेम का वह रूप है जिसमें अहंकार नहीं, अपनापन बोलता है। यदि हम परिवार में इस भाव को जगा सकें, तो जीवन का हर दिन केवल जीने का नहीं, बल्कि आनंद लेने का सफर बन जाएगा।

1965 के शहीद की वीरांगना बोली
पति को सम्मान कब मिलेगा?

हमारी जमीन पर प्रतिमा लगाने से रोक रहा प्रशासन, नोटिस थमा रहे

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में देश के लिए वीरगति को प्राप्त हुए शहीद फेज मोहम्मद की वीरांगना को अब पति की प्रतिमा लगवाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा हैं। वीरांगना जेतुन बानो का कहना है कि ससुर की खरीदी हुई जमीन पर पति की प्रतिमा लगवाना चाहती हूं, लेकिन ग्राम विकास अधिकारी और प्रशासक ने ऐसा करने से रोक दिया है। वीरांगना शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंची और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें गुहार लगाई कि पति की प्रतिमा को लगाने की अनुमति दी जाए। मामला ग्राम पंचायत बामणवास (सूरजगढ़) का है। वीरांगना का आरोप है कि पंचायत प्रशासन द्वारा न केवल उन्हें रोका गया, बल्कि वीरांगना को बेदखली की धमकी भी दी गई है।

पति देश के लिए शहीद हुए, फिर भी सुनवाई नहीं

वीरांगना जेतुन बानो का कहना है कि उनकी उम्र 80 साल से ज्यादा हो चुकी है। पति जंग में लड़ते हुए देश के लिए शहीद हुए, इसके बाद भी प्रशासन उनकी सुनवाई नहीं कर रहा है। मेरे पति ने 1965 में देश के लिए जान दी। आज मैं अपनी ही जमीन पर उनकी याद में एक स्मारक बनाना चाहती हूं, जिससे आने वाली पीढ़ियां प्रेरणा ले सकें। लेकिन प्रशासन मुझे अपराधी की तरह देख रहा है। क्या एक शहीद की पत्नी को अपने पति के सम्मान के लिए भी सरकारी दफ्तरों की ठोकरें खानी पड़ेंगी? इस दौरान कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष खलील बुडाना ने कहा- झुंझुनूं वीरों की जननी है, लेकिन यहां एक वीरांगना को संघर्ष करना पड़ रहा है। ऐसे में कलेक्टर से मिलकर न्याय की मांग की है।

'अपनी जमीन पर शहीद की प्रतिमा लगवाना चाहती हूं'

वीरांगना जेतुन बानो का कहना है- जिस जमीन के भूखंड पर वे अपने शहीद पति की प्रतिमा लगवाना चाहती हैं, वह उनके ससुर गौस मोहम्मद ने 30 जनवरी 1947 को खरीदा था।

इस जमीन के पुख्ता दस्तावेज, उप-पंजीयक की सील लगे विक्रय पत्र और ग्राम पंचायत अरड़ावता के तत्कालीन सरपंच द्वारा तस्दीक किया हुआ नक्शा भी उनके पास मौजूद है। इसके बावजूद ग्राम पंचायत बामणवास के प्रशासन ने इसे अवैध बताते हुए निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए हैं। वीरांगना ने जिला कलेक्टर को सौंपे पत्र में गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्र के अनुसार- जब उन्होंने अपने निजी स्वामित्व वाली जमीन पर प्रतिमा के लिए पत्थर डलवाए, तो ग्राम विकास अधिकारी और प्रशासक ने उन्हें नोटिस (क्रमांक 152/2025 और 156/2025-26) थमा दिए। आरोप है कि स्थानीय राजनीतिज्ञों के दबाव और व्यक्तिगत रंजिश के चलते प्रशासन उन्हें अपनी ही जमीन से बलपूर्वक बेदखल करने की धमकी दे रहा है।

पत्र पर कलेक्टर ने संज्ञान लिया, जांच के निर्देश

मामले में जिला कलेक्टर अरूण गर्ग ने प्रार्थना पत्र पर संज्ञान लिया है। संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जांच करने और नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही वीरांगना के पक्ष को पूरा मौका दिया जाए और सुनवाई की जाए।

टोहाना की भाजपा नैत्री स्वीटी महता ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी की तीसरी बार टोहाना विधानसभा महिला अध्यक्षा मनोनीत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश चुघ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी साहिब दयाल वधवा से विचार विमर्श कर संस्थापक कमल हांडा की अनुमति व दिशा निर्देशन में स्वीटी महता को पुनः टोहाना विधानसभा महिला अध्यक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी है। स्वीटी महता को टोहाना की महिला विधानसभा कार्यकारिणी का जिला के वरिष्ठ सदस्यों, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक से विचार विमर्श करके गठन करने का दायित्व सौंपा है। नवनियुक्त विधानसभा महिला अध्यक्षा ने संगठन के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ज्योति कमल हांडा, राष्ट्रीय महासचिव परमजीत कोचर, प्रदेश अध्यक्ष

का आभार जताया है और उन सबको विश्वास दिलाया है कि उन पर जो भरोसा जताया गया है, वह उस भरोसे को टूटने नहीं देंगी व पिछले कार्यकाल तथा उम्मीद से भी अधिक कार्य करके दिखाएंगी। नवनियुक्त विधानसभा महिला अध्यक्षा का राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व हरियाणा - पंजाब - चंडीगढ़ कानूनी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कुकरेजा, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश अरोडा, प्रदेश प्रवक्ता विनोद अरोडा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र महता पार्षद, राखी मक्कड़, जिला अध्यक्ष धर्मपाल चावला, जिला महिला अध्यक्षा डॉ. सुमन बजाज व सभी पदाधिकारियों, सदस्यों तथा समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने खुशी का इजहार करते हुए संगठन एवं समाज हित में उचित निर्णय बताया तथा स्वीटी महता को एक बार फिर से विधानसभा महिला अध्यक्षा की जिम्मेवारी के लिए शुभकामनाएं दी।

प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत का झुंझुनू दौरा

जिला मुख्यालय पर करेंगे बजट संवाद और समीक्षा बैठक, केड में होगी जनसभा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले के प्रभारी मंत्री एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री

अविनाश गहलोत सोमवार को झुंझुनू दौरे पर रहेंगे। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि वे दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में बजट को लेकर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे और 4 बजे समीक्षा बैठक में योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके बाद में शाम 6 बजे ग्राम पंचायत केड में आयोजित जनसभा को भी संबोधित कर जनसंवाद करेंगे।

छपास के रोगी विप्र समाज के नेताओं ने झुन्झुनू में समाज का किया बंटाधार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनू।

विप्र समाज की एकता की बड़ी बड़ी बाते सुनने को मिलती है, जो सुनने में बहुत ही प्रभावशाली लगती है लेकिन इसके विपरित समाज को एकजुटता के सूत्र में बांधने की बजाय झुन्झुनू जिले में छपास के रोगी विप्र समाज के नेताओं ने समाज को खंड खंड करने का काम किया। प्रतिभावान बच्चों को जिन्होंने अपने भविष्य को सुधारने में जी जान से मेहनत की और हो सकता है कि आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ा हो लेकिन उनके हौसले बुलंद थे और असाधारण उपलब्धि हासिल की। ऐसे में यह संगठनो के सरमायदार उनको माला पहनाकर समाज हित की इतीश्री कर लेते हैं लेकिन उस बच्चे ने जिन आर्थिक संकटों को झेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की, उस समय यह संगठन कहां थे, इसका जबाब शायद ही उनके पास हो। इनकी समाज के प्रति संवेदनशीलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक संगठन ने सम्मान समारोह आयोजित किया और समारोह स्थल के सामने एक जवान विप्रबंधु की मृत्यु हो गई लेकिन इन्होंने समारोह को स्थगित करना या समारोह स्थल को बदलने की जरूरत महसूस नहीं की, यह उनकी समाज के प्रति कथित संवेदनशीलता का ज्वलंत उदाहरण है। किसी नये संगठन का सर्वेसर्वा बनना इनकी आदत में शुमार है क्योंकि इनके मन में समाज हित के हिलौरें मार रहे हैं। विप्र समाज के स्वयंभू अध्यक्ष व स्वयंभू संरक्षक बनने की होड़ लगी हुई है। वहीं गिने चुने चेहरे राजनेताओं के लिए माला लिए खड़े दिखाई देते हैं तत्पश्चात् छपास रोग होने के कारण अखबारों व सोशल मीडिया उनकी फोटो से पट जाती है।

पैरा लीगल वॉलिंटियर्स के आवेदन आमंत्रित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पैरा लीगल वॉलिंटियर्स के आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। डीएलएसए सचिव डॉ महेंद्र सोलंकी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 27 जनवरी शाम 5:00 बजे तक रखी गई है। किसी भी संकाय में सीनियर सेकेंडरी अथवा इससे उच्चतर शैक्षिक योग्यता वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए आवेदन पत्र के साथ जन्मतिथि प्रमाण पत्र हेतु सेकेंडरी स्कूल परीक्षा अथवा जन्म प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति, शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रति, दो मूल चरित्र प्रमाण पत्र जो 6 महीने से अधिक पुराने नहीं हो एवं जाति प्रमाण पत्र (सत्यापित प्रति) यदि लागू हो तो, आवश्यक होंगे। अभ्यर्थी को आवेदन पत्र में यह बताना होगा कि वह जिला, तालुका अथवा गांव , किस स्तर पर कार्य करना चाहता है। आवेदन पत्र तालुका स्तर पर भी जमा करवाए जा सकते हैं।

आरोग्य भारती की जिला स्तरीय स्वास्थ्य संगोष्ठी आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़. झुंझुनूं।

आरोग्य भारती जिला झुंझुनूं (जयपुर प्रान्त, राजस्थान) के तत्वावधान में केशव आदर्श विद्या मंदिर, इंदिरा नगर स्थित सभागार में स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि, भारतमाता एवं सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीवन, उत्तर क्षेत्र संयोजक आरोग्य भारती (हिमाचल, दिल्ली, राजस्थान) रहे। उन्होंने आरोग्य भारती के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आरोग्य भारती भारतवर्ष में संपूर्ण स्वास्थ्य रक्षा हेतु प्रचलित सभी चिकित्सा पद्धतियों को भारतीय जीवनशैली के अनुरूप जनकल्याण के लिए अपनाने का साझा सेवा प्रकल्प है। इस सेवा कार्य में चिकित्सक, शिक्षक, प्राध्यापक, अधिवक्ता, खिलाड़ी, समाजसेवी, व्यवसायी, किसान, सैनिक, पत्रकार, कंपाउंडर, नर्स एवं विद्यार्थी सभी वर्गों का सहयोग अपेक्षित है। संगोष्ठी में आहार-विहार, नशा मुक्ति, दिनचर्या, विरुद्ध आहार, फास्ट फूड के अत्यधिक सेवन से बढ़ते रोग, मोटापा, भारतीय जीवनशैली एवं महिला स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता वैद्य डॉ. चन्द्रकान्त गौतम, पूर्व उप निदेशक आयुर्वेद विभाग राजस्थान ने की। उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' की उक्ति के माध्यम से समस्त सृष्टि के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन

डॉ. हरि शरण शांडिल्य, राजगढ़ ने किया। इस अवसर पर डॉ. पुरुषोत्तम शर्मा, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. कमलेश शर्मा, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. सुरांगना शर्मा, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. मदनलाल सैनी, डॉ. राकेश सैनी, डॉ. बलराज सिंह, डॉ. महेश झाझड़िया, डॉ. जितेश गौड, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. दीपक, डॉ. चन्द्रशेखर भार्गव, डॉ. नीलम, डॉ. महेश माटोलिया, डॉ. उमेश शर्मा, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. विक्रम चौधरी, रणधीर, गौरांग जोशी (क्रिकेटर), कृष्णा जोशी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के मार्गदर्शन में झुंझुनूं जिले में कार्य विस्तार हेतु आरोग्य भारती की जिला कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. पंकज शर्मा, सचिव डॉ. जितेश गौड, प्रचार-प्रसार डॉ. दीपक, महिला स्वास्थ्य डॉ. सुरांगना शर्मा, सुपोषण डॉ. बलराज सिंह एवं वनौषधि संयोजक डॉ. मनोज शर्मा को दायित्व सौंपे गए।

केन्द्रीयमंत्री मेघवाल ने जेगला में कई विकासकार्यों का लोकार्पण किया:
तीन ट्यूबवेल और शहीद विद्यालय के मुख्य द्वार-प्याऊ का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज

नोखा । केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को नोखा उपखण्ड के जेगला में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें तीन ट्यूबवेल और शहीद जगदीश बिश्नोई प्राथमिक विद्यालय के मुख्य द्वार एवं प्याऊ का उद्घाटन शामिल है। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि ट्यूबवेल के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे स्थानीय नागरिकों और पशुओं को लाभ होगा। उन्होंने धन्ना दरोगा में 54.09 लाख रुपये और जेगला गोगलियान में 46.3 लाख रुपये की लागत से

बने ट्यूबवेल का लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त, चारागाह विकास के लिए मुख्यमंत्री जिला नवाचार निधि योजना के तहत 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित एक ट्यूबवेल भी क्षेत्र को समर्पित किया गया।

मंत्री मेघवाल ने अमर शहीद सूबेदार सांवरमल खींचड़ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वालों के प्रति हमें कृतज्ञ होना चाहिए। उन्होंने शहीद जगदीश बिश्नोई प्राथमिक विद्यालय के मुख्य द्वार और प्याऊ का भी लोकार्पण किया। यह कार्य सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत लगभग दस लाख रुपये की लागत से करवाए गए हैं।मेघवाल ने ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों से अपने बच्चों को अधिकतम शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस दौरान पूर्व प्रधान कन्हैयालाल, डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, एडवोकेट अशोक प्रजापत, हनुमान पूनिया, सुमित्रा पूनिया, नरेंद्र चौहान, महेंद्र सिंह रोड़ा, गोपी पूनिया, रामेश्वर स्वरूपसर, राम लाल सहारण, पाबूराम देहडू, सहीराम ज्याणी, भगवानाराम पूनिया, जीतूराम पूनिया, हेतराम सीगड़ और महावीर चारण सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ट्रंप के 500प्र. टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल, देखती रह जायेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है।

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है।

वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा। देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है।

यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई।

वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं।

उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी।

साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है।

बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें। भारत की नीति फोन कॉल से नहीं, राष्ट्रीय हित से तय होती है। अगर शर्तें देश के हित में नहीं हैं, तो मोदी पीछे हटने में संकोच नहीं करते। यही कारण है कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ दुनिया से बात करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि नया भारत सम्मान चाहता है, आदेश नहीं। मोदी की विदेश नीति साफ है, बराबरी पर बात होगी, दबाव में नहीं।

शब्द यथार्थ की काव्य शैली में समीक्षा

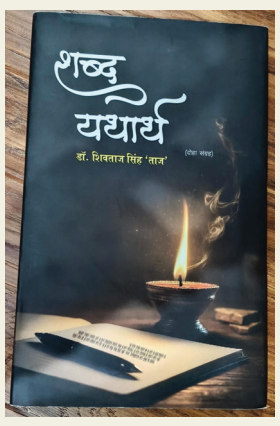

भीम प्रज्ञा काव्य समीक्षा@सुंदरलाल उत्सुक

कवि शिवताज सिंह 'ताज' द्वारा लिखित पुस्तक 'शब्द यथार्थ' दोहा छंद में सृजित दस्तावेज है।

जिसमें अनुभव पर आधारित तथ्यों की कवरेज है। उक्त पुस्तक की समीक्षा काव्य शैली में कवि सुंदरलाल उत्सव ने निम्न दोहो के माध्यम से किया है-

1

सो पृष्ठों से बनी हुई यह पुस्तक बड़ी निराली है।
जिसमें शामिल सब रचनाएँ बेहद महत्व वाली हैं।
साध निशाना कविवर ने जहाँ दूर दृष्टि डाली है।
चूक हुई न कहीं जरा ना लक्ष्य गया कोई खाली है।

अल्फाजों से छलक रहा नैतिक बल और करेज है।
जिसमें अनुभव पर आधारित तथ्यों की कवरेज है।

2

निर्भय हो निर्बाध गति से खुल कर कलम चलाई है।
सच को सच कहने में ना कहीं बरती कुछ कोताही है।
पाखंड अंध विश्वास ढोंग की कसकर करी खिंचाई है।
तर्कशीलता और वैज्ञानिक सोच की राह दिखाई है।

तकनीकी कौशल का अच्छा और खासा बंधेज है।
जिसमें अनुभव पर आधारित तथ्यों की कवरेज है।

3

छंद चार सौ चालीस में एक से एक बढ़ इक्कीस है।
हर दोहे में लगी हुई आगे दिखने की रीस है।
अलग अलग विषयों पर बंटकर खंड बने उन्नीस हैं।
मिलीजुली रचनाओं से लबरेज चैप्टर बीस है।

घालमेल करने से रखा गया सख्त परहेज है।
जिसमे अनुभव पर आधारित तथ्यों की कवरेज है।

4

जहाँ कहीं भी सिस्टम में लेखक ने देखा खोट है।
गढ़ गढ़ कर उपयुक्त छंद वहाँ तीखी मारी चोट है। मास
मीडिया का रुख उनके मन को रहा कचोट है।
लालच या किसी भय से लेता जो सत्ता की ओट है।

समता न्याय लिबर्टी से कविवर को काफी हेज है।
जिसमें अनुभव पर आधारित तथ्यों की कवरेज है।

5

जाति पाति के चिंतन को पटक पटक कर मारा है।
झूठ कपट छल ठगी का ना बिल्कुल लिया सहारा है।
अंधा धुंध आस्था को गया अच्छे से फटकारा है।
तर्क का दामन थाम धूर्तों को जमकर दुत्कारा है।

जीवन उपयोगी बातों से भरा हुआ हर पेज है।
जिसमें अनुभव पर आधारित तथ्यों की कवरेज है।

ममता दीदी के बगावती तेवर

सनत जैन

कोलकाता में ममता बनर्जी के बगावती तेवर केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है। बल्कि उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जो पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष के भीतर लगातार पनप रही है। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के दौरान जिस तरह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों के सामने खड़ी हुईं , उन्होंने पार्टी से जुड़े दस्तावेज ईडी के अधिकारियों से छीनकर अपने साथ ले आईं। उसने देश की राजनीति में एक नई और असहज स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। क्या जांच एजेंसियां कानून का निष्पक्ष पालन कर रही हैं ? या वह सत्ता की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा और मोहरा बनती जा रही हैं? ममता बनर्जी का आरोप सीधा और गंभीर है। उनका कहना है कि आईपैक और पार्टी से जुड़े लोगों के यहां पड़े छापों का मकसद किसी आर्थिक अपराध की जांच नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति, उम्मीदवारों की सूची और आईटी सेल का डेटा हासिल करना था। चुनाव के ठीक पहले यदि जांच एजेंसियां सचमुच किसी पार्टी के राजनीतिक दस्तावेजों और डिजिटल डेटा को निशाना बना रही हैं। किसी भी पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र की आत्मा पर हमला ही माना जाएगा। चुनावी मुकाबला विचारों और जनसमर्थन से होना चाहिए, नाकि एजेंसियों के सहारे राजनीतिक लड़ाई लड़नी चाहिए।

ईडी का पक्ष है, सर्च कानूनी प्रक्रिया के तहत और पुराने मामलों के आधार पर की गई है। सवाल यह है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों में जांच एजेंसियों की सक्रियता अक्सर चुनावों के आसपास ही क्यों दिखाई देती है। झारखंड में हेमंत सोरेन, महाराष्ट्र में शरद पवार और कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री सभी के खिलाफ एक जैसी घटनाएं यह धारणा मजबूत करती हैं। केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्हें चुनाव में पराजित करने के लिए इस तरह से जांच एजेंसी केंद्र सरकार के सारे पर काम करती है। अब तो यह आप न्यायपालिका पर भी लगने लगा है। न्यायपालिका के निर्णय अब खुली आंख से हो रहे हैं सत्ता पक्ष के लोगों के लिए अलग तरीके से निर्णय आते हैं विपक्ष के लिए अलग तरह से निर्णय देखने को मिलते हैं। जांच एजेंसियों की जांच लंबी चलती है। इसे विपक्षी दलों को बदनाम करने तथा उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जाती है जांच एजेंसी के नतीजे कई वर्षों तक दुर्लभ होते हैं। २जी ३जी और कोल घोटाले का क्या असर हुआ, अजीत पवार के ऊपर 70000 करोड रुपए के घोटाले के आरोप लगाए गए थे। उसका क्या हुआ ,यह सभी जानते हैं। जांच एजेंसियां चुनाव आयोग की कार्यवाही तथा न्याय पालिका के जो निर्णय हो रहे हैं। उसे विपक्षी राजनीतिक दलों को चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ता है। पर्ि म बंगाल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता लेने और पर्ि म बंगाल की सरकार के खिलाफ समय-समय पर जो निर्णय देखने को मिले हैं उसमें पक्षपात होता हुआ दिखता है जिसके कारण अब ममता दीदी पूरे बगावती तेवर में है और वह आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर गई हैं। ममता बनर्जी का यह आक्रामक रुख इस मायने में अलग है, उन्होंने डर की राजनीति को खुली चुनौती दी है। उन्होंने यह संकेत दिया कि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेगा। सत्ता की पक्षपात पूर्ण कार्रवाई जांच एजेंसियों और न्यायपालिका के पक्षपात का सड़कों पर आकर विरोध करेंगी। यह कदम कानूनी जोखिम से भरा हो सकता है। राजनीतिक रूप से उन्होंने खुद को एक आक्रामक नेता के रूप में स्थापित किया है। जो केंद्रीय सत्ता के आगे झुकने को किसी भी कीमत में तैयार नहीं है। यह विवाद केवल बंगाल या तृणमूल कांग्रेस तक सीमित नहीं रहेगा। जांच एजेंसियों, चुनाव आयोग और न्याय पालिका द्वारा जिस तरह से विपक्षी दलों के लिए अलग और सत्ता पक्ष के लिए अलग तरह से काम किया जा रहा है। यह पूरे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा सवाल और विपक्ष के अस्तित्व से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर बार-बार सवाल उठ रहे है। न्यायिक और संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वह अपने कार्य को निष्पक्ष तरीके से करें। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है। जांच निष्पक्ष हो, चुनाव बराबरी के मैदान में हो। सत्ता तथा विपक्ष दोनों के लिए कानून समान हों। ममता दीदी के बगावती तेवर वर्तमान समय की राजनीति का आईना हैं। केंद्र सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए यह एक चेतावनी और चुनौती है। अगर लोकतांत्रिक संस्थाओं द्वारा अपने कर्तव्यों का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच भेदभाव किया गया। इसका संतुलन पूरी तरह से बिगड़ चुका है। न्याय पालिका की विश्वसनीयता भी धीरे-धीरे खत्म होती चली जा रही है। न्यायपालिका के निर्णय या तो टाल दिए जाते हैं या वह सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाते हैं। जिसके कारण अब विपक्ष के पास सड़कों पर आने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। जिस तरह से चुनाव आयोग का केंद्रीकरण हो गया है मतदाता सूची से लेकर मतदान तक की सारी प्रक्रिया केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से तय हो रही है। जांच एजेंसियां चुनाव के पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई शुरू करती हैं न्यायपालिका चुपचाप तमाशा देखती रह जाती है ऐसी स्थिति में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता दोनों ही खतरे में पड़ गई हैं। इसको बनाए रखने की जिम्मेदारी संवैधानिक संस्थाओं और केंद्र सरकार की है। पर्ि म बंगाल में जो बगावती तेवर ममता दीदी ने दिखाए हैं। इसका असर अब संपूर्ण देश में देखने को मिल सकता है। विपक्षी दल लड़कर ही अपने आप को जिंदा रख सकते हैं। यदि वह डर गए तो उनका खत्म होना तय है। ममता दीदी का स्वभाव डरने वाला नहीं है इसलिए उन्होंने अपनी आक्रामकता दिखने में अब कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। देश की राजनीति और लोकतांत्रिक संघीय व्यवस्था में इसका व्यापक असर पढ़ना तय है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साखः भारत में उपेक्षा क्यों?

ललित गर्ग

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरूआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेजी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेजी को लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और बौद्धिक विमर्श की भी क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है।

सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी का

बाछौद के फ्लाइंग स्कूल में मैनेजर की बेटी कशिश एनडीए में चयन

रामबास की कशिश यादव 5 वी पीढ़ी सेना में अपनी सेवा देगी

महेंद्रगढ़ जिले की पहली बेटी का एनडीए के नौ सेना में चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । बाछौद स्थित एफएसटीसी फ्लाइंग स्कूल में मैनेजर की बेटी कशिश यादव का राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में (एनडीए) में चयन हुआ है। यूपीएससी ने अक्टूबर में एनडीए का परिणाम जारी किया तथा अब ट्रेनिंग लेटर जारी हुआ है। उसने अपने परिवार में सेना में अपनी सेवा चली आ रही परंपरा को एक कदम ओर आगे बढ़ाया है। अभी तक परिवार की चार पीढ़ियों में पुरुषों क्ने सेना में अपनी सेवा दी है, अब कशिश सेना ने एनडीए में चयन पर उसने नौसेना का चुना है। अपने परिवार की महिलाओं को भी सेना में अपनी सेवा करने का सौभाग्य मिला है। बेटी का सारा परिवार ग्रामीण परिवेश से संबंध रखता है तथा कुएं पर खेती व पशुपालन करते हैं। महेंद्रगढ़ जिले के अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव रामबास की पहली लड़की का एनडीए में चयन होने पर परिवार जनों के साथ क्षेत्र मे खुशी का माहौल है। लडक़ी के ताऊ नरेश कुमार ने

बताया कि कशिश के पिता संजय कुमार भी भारतीय नौसेना से तथा दादा सूबेदार जगदीश प्रसाद थल सेना से सेवानिवृत है। खास बात है कि 5 वी पीढ़ी सेना में अपनी सेवा देगी तथा बेटी के सड दादा चंद्र सिंह भी आजाद हिंद फौज में देश की आजादी के लिए लड़ें थे तथा पड़ दादा भी श्री राम यादव भी भारतीय सेना से अपनी सेवाएं दी है। कशिश ने ऐसी पढ़ाई कि बन गई एनडीए की मन में सफलता का जोश भर सकती है। पक्के इरादे के दम पर नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा को ना सिर्फ पास किया बल्कि विशेष स्थान हासिल किया है। एनडीए में चयनित कशिश का आल इंडिया रैक 190 रहा है, बेटी ने एसडी ककराला स्कूल में 12 कक्षा विज्ञान संकाय से उर्तीण की है। कशिश ने बताया कि पक्के इरादे के दम पर नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा को ना सिर्फ पास किया बल्कि अव्वल भी रहीं। पिता संजय कुमार ने बताया कि दो बच्चों में बड़ी बेटी कशिश 10-12 घंटे पढ़ाई करके उसने यह उपलब्धि हासिल की है। वह बचपन से अपने परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए बचपन से भारतीय सेना में जाने की इच्छा रही है, जो उसने एनडीए में सफलता हासिल कर ,अपने इरादे को पूरा कर लिया है। अपनी उपलब्धि पर कशिश ने बताया कि परिवार से मिले सपोर्ट और उनके माता राजबाला-पिता की मेहनत की वजह से ही यह संभव हो पाया है। बेटी ने बताया वह अपने पिता की तरह भारतीय नौसेना में शुरू से ही चाहत रही थी। अब उसका लक्ष्य पूरा हो गया है।

सूरजगढ़ के पुस्तकालय में दीनबंधु सर छोटूराम की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति द्वारा संचालित पुस्तकालय, सूरजगढ़ में मंगलवार को किसान मसीहा एवं महान समाज सुधारक दीनबंधु सर छोटूराम की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर मोमबत्तियां प्रज्वलित की गईं तथा उनके सामाजिक-आर्थिक योगदान को स्मरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षाविद मोतीलाल डिग्रवाल ने कहा कि दीनबंधु सर छोटूराम (1881-1945) ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत के एक प्रमुख राजनेता और किसानों-मजदूरों के सच्चे हितैषी थे। उन्होंने साहूकारों के शोषण से किसानों को मुक्त कराने के लिए ऐतिहासिक कर्ज मुक्ति अधिनियम, भू-राजस्व सुधार जैसे महत्वपूर्ण कानून बनवाए। किसानों की आवाज बुलंद करने के लिए उन्होंने 'जाट गजट' समाचार पत्र का प्रकाशन भी किया। डिग्रवाल ने बताया कि सर छोटूराम यूनियनिस्ट पार्टी के संस्थापक रहे और पंजाब में संयुक्त प्रांत की सरकार में उनकी अहम भूमिका रही, जिसके लिए उन्हें वर्ष 1937 में ब्रिटिश सरकार

द्वारा 'नाइट' की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्हें भाखड़ा बांध का जनक भी माना जाता है। सर छोटूराम का जन्म 24 नवंबर 1881 को घड़ी संपला, रोहतक (तत्कालीन पंजाब प्रांत) में हुआ। उनका मूल नाम राय रिछपाल था, परिवार में सबसे छोटे होने के कारण उन्हें 'छोटू' कहा जाता था, जो आगे चलकर छोटूराम के नाम से प्रसिद्ध हुए।

उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज से स्नातक तथा आगरा कॉलेज से वकालत की शिक्षा प्राप्त की। महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से असहमति और किसानों के हितों की अनदेखी के कारण उन्होंने वर्ष 1920 में कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया। इस अवसर पर राधेश्याम चिरानिया, छोटेलाल गजराज डीसी, ओमप्रकाश सेवदा, सज्जन कुमार कटारिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने सर छोटूराम के आदर्शों पर चलने और उनके विचारों को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अनुसूचित जाति समाज के महापुरुषों के नाम पर द्वार और चौक नामकरण करने पर जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़ रेवाड़ी -

नगर परिषद द्वारा अनुसूचित जाति समाज के महापुरुषों के नाम पर विभिन्न स्वागत द्वार और चौक नामकरण किए जाने पर समाज के सभी संगठनों ने नगर परिषद का आभार जताया है। यह जानकारी देते हुए सेवा स्तंभ के प्रधान भगत सिंह बौद्ध ने बताया कि समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा रखी गई मांगों पर गौर करते हुए नगर परिषद ने मौजूदा कार्यकाल की अंतिम बैठक में ध्वनिमत से जो प्रस्ताव पारित किए, उनमें विभिन्न महापुरुषों के साथ बाईपास स्थित संत कबीर चौक से नसियाजी रोड़ की तरफ आने वाले मार्ग पर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी द्वार, महर्षि वाल्मीकि आश्रम तक जाने वाले मार्ग पर महर्षि वाल्मीकि द्वार बनाने सहित कंकरवाली जोहड़ स्थित पार्क में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने और सांग सम्राट व लोक कवि मास्टर नेकीराम के नाम से चौक बनाने के प्रस्ताव प्रमुख रहे। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज और महर्षि वाल्मीकि ने समाज में प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उनके द्वारा दी गई शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है। वहीं बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा के प्रचार प्रसार के साथ सभी को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बाबा साहब अंबेडकर की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए मास्टर नेकीराम ने 60 वर्षों तक हरियाणवी लोक संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन किया और अपने सांगों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर स्कूल आदि का जनहित में निर्माण कराया।

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का हल्ला बोल, जनआक्रोश रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना राज्य सरकार द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में कांग्रेस ने शुक्रवार, 9 जनवरी 2026 को नीमराना में जोरदार हल्ला बोल प्रदर्शन किया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में महावर धर्मशाला से उपखंड कार्यालय तक प्रमुख मार्गों से रैली निकाली गई। रैली के उपरांत मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार विक्रम यादव को सौंपा गया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी, , कांग्रेस महासचिव व पूर्व सरपंच अशोक मुद्गल, कर्मपाल चौहान, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अनूप यादव, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय यादव, सिलारपुर के पूर्व सरपंच धर्मवीर रेवाड़िया, पूर्व सरपंच विष्णु सोनी, कृष्ण प्रजापत, वरिष्ठ कांग्रेसी

मोजीराम यादव, महावीर प्रसाद चर्खिया, हरि सिंह सैनी, परमानंद सैनी, गौशाला अध्यक्ष वीरेंद्र मास्टर, पूर्व अध्यक्ष दलीप मुनीम, जसवंत सूबेदार, हंसराज, कैप्टन धर्मपाल, संदीप यादव, ताराचंद, राहुल यादव, प्रवक्ता राजकुमार, नीरज, मीडिया प्रभारी प्रशांत शर्मा, महादेव, शयोचंद, संजय यादव, सोनू यादव, मुकेश ने कहा कि स्मार्ट मीटर आमजन पर सीधा आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटरों में तकनीकी खामियां हैं, जिनके कारण उपभोक्ताओं को गलत बिलिंग और अतिरिक्त भुगतान की परेशानी झेलनी पड़ सकती है। उन्होंने सरकार से स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने तथा जनहित में इस निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की।

जनजाति उपयोजना क्षेत्र में सामाजिक न्याय पर शोध को मिली पीएचडी की उपाधि

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के दीक्षांत समारोह में पूंजीलाल यादव सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बांसवाड़ा।

राजस्थान के जनजाति उपयोजना क्षेत्र में सामाजिक न्याय की स्थिति पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण शोध को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा के सप्तम दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। दिनांक 8 जनवरी को आयोजित दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने डूंगरपुर जिले के कुंआ गांव निवासी पूंजीलाल यादव को सामाजिक न्याय के क्षेत्र में किए गए उनके शोध कार्य हेतु पीएचडी की उपाधि प्रदान की। पूंजीलाल यादव का शोध विषय 'राजस्थान में सामाजिक न्याय की दशा एवं दिशा: जनजाति उपयोजना क्षेत्र के संदर्भ में एक अध्ययन' रहा। इस शोध में जनजाति उपयोजना क्षेत्र में निवासरत वंचित समुदायों की सामाजिक न्याय से जुड़ी वास्तविक स्थिति का व्यापक और तथ्यपरक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। यह शोध कार्य हरदेव जोशी कन्या महाविद्यालय, बाँसवाड़ा की प्राध्यापिका प्रो. शिप्रा राठौड़ के निर्देशन में पूर्ण हुआ। उनके मार्गदर्शन में शोध को अकादमिक गहराई और सामाजिक सरोकारों से जोड़ा गया।

शोध के प्रमुख निष्कर्ष

शोध में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं तथा घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू वर्गों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं अधिकार आधारित स्थिति का गहन अध्ययन किया गया। निष्कर्षों में यह तथ्य सामने आया कि संविधानिक प्रावधानों एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के बावजूद जनजाति उपयोजना क्षेत्र में सामाजिक न्याय की पूर्ण स्थापना अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। विशेष रूप से अनुसूचित जाति-जनजाति की महिलाओं और घुमंतू समुदायों की स्थिति को सबसे अधिक संवेदनशील पाया गया।

उपलब्धि का श्रेय

पूंजीलाल यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने शोध निर्देशक प्रो. शिप्रा राठौड़, अपने परिवारजनों एवं सहयोगियों को देते हुए कहा कि उनका शोध समाज के वंचित वर्गों की वास्तविक समस्याओं को सामने लाने का प्रयास है और इससे सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस पहल को बल मिलेगा। यह उपलब्धि न केवल अकादमिक जगत के लिए बल्कि जनजाति उपयोजना क्षेत्र में सामाजिक न्याय की दिशा में कार्यरत संस्थाओं और नीति निर्माताओं के लिए भी प्रेरणास्रोत मानी जा रही।

नीतिगत सुधारों की आवश्यकता पर जोर

शोध में सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करने के लिए व्यावहारिक सुझाव, नीतिगत सुधार तथा प्रशासनिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया है। यह अध्ययन भविष्य में नीति निर्माण, प्रशासनिक निर्णयों और सामाजिक न्याय से जुड़े शोध कार्यों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

मंडावर के गढ़ हिम्मतसिंह स्कूल चोरी का खुलासा, बैटरी चोर गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ हिम्मतसिंह स्थित आदर्श सरस्वती बालिका माध्यमिक विद्यालय में हुई नकबजनी की वारदात का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई इन्वर्टर बैटरी बरामद कर ली है। महवा वृताधिकारी मनोहरलाल के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने सटीक रणनीति के साथ कार्रवाई को अंजाम देकर अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। इस कार्रवाई से ग्रामीण क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। घटना 18 दिसंबर 2025 की रात की है, जब अज्ञात चोरों ने विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कार्यालय कक्ष के पास रखी इन्वर्टर बैटरी चोरी कर ले गए। सुबह विद्यालय स्टाफ के पहुंचने पर घटना का खुलासा हुआ, जिससे पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। विद्यालय जैसी संवेदनशील जगह पर चोरी की घटना से ग्रामीणों में बच्चों की सुरक्षा और स्कूल संपत्ति को लेकर चिंता बढ़ गई थी। 2 जनवरी 2026 को विद्यालय से जुड़े मुरारीलाल सैनी निवासी गढ़ हिम्मतसिंह की रिपोर्ट पर थाना मंडावर में प्रकरण दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत टीम गठित कर क्षेत्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि अलवर

और भरतपुर जिलों तक संभावित ठिकानों पर सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी इनपुट के आधार पर सघन तलाश शुरू की। लगातार दबिशों और गहन पड़ताल के बाद 7 जनवरी 2026 को आरोपी भोजराज उर्फ भोजा को दबोच लिया गया और उसके कब्जे से चोरी की गई इन्वर्टर बैटरी बरामद कर ली गई। गिरफ्तार आरोपी भोजराज उर्फ भोजा पुत्र विशम्भर मीना, उम्र 43 वर्ष, निवासी सिरस थाना वैर जिला भरतपुर, हाल निवासी नगली मेघा थाना बड़ौदामेव जिला अलवर बताया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी से गहन पूछताछ जारी है और इस वारदात में शामिल अन्य साथियों की भी सक्रियता से तलाश की जा रही है।

सिरयानी कॉलेज में सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम, पुलिस ने यातायात नियमों व साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र के सिरयानी गांव में सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर ट्रैफिक विभाग द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिरयानी कॉलेज की छात्राओं व छात्रों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों, साइबर फ्रॉड से बचाव तथा महिला व बाल सुरक्षा को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। ट्रैफिक इंचार्ज बाबूलाल मीणा ने बताया कि ग्रामीण परिवेश में छात्र-छात्राओं और बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा के प्रति चेतना फैले। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट जीवन रक्षक उपकरण हैं। दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनना चाहिए, वहीं चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करना चाहिए। बाबूलाल मीणा ने यह भी बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के किशोरों द्वारा बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाना

कानूनन अपराध है, जिसमें नाबालिग के साथ-साथ वाहन मालिक या अभिभावक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को वाहन चलाने से रोकें और यातायात नियमों के प्रति जागरूक बनाएं। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज और परिवार की रीढ़ हैं, उनकी सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हरसोलिया गांधी शांति पुरस्कार-2025 से हुए सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सामाजिक एकता मंच, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्र सेवा सम्मान समारोह उत्तर प्रदेश मवाना (मेरठ) में आयोजित समारोह में अतिथियों एवं सामाजिक एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस्लाम मलिक ने चौमूं तहसील के ग्राम टांकरड़ा निवासी समाजसेवी सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया को गांधी शांति पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया। सामाजिक एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस्लाम मलिक ने बताया कि हरसोलिया को यह पुरस्कार इनकी सामाजिक गतिविधियों, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान को दृष्टिगत रखते हुए गांधी शांति पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया है। हरसोलिया को गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित होने पर सर्व समाज बंधुओ ने हर्ष जताया।

शाहजहांपुर में पौष बड़ा महोत्सव का भव्य आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर में मार्केट नवयुवक संघ के तत्वावधान में एवं बाजार के व्यापारियों के सहयोग से पौष बड़ा महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देशी घी से बने गाजर के हलवे का भव्य प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की विधिवत आरती एवं भोग अर्पित कर की गई। इसके पश्चात प्रसाद वितरण का क्रम आरंभ हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर महोत्सव का आनंद लिया। आयोजन में मार्केट नवयुवक संघ के सदस्य निलेश सिंह, प्रहलाद गुप्ता, रामनिवास अग्रवाल, आर.पी. ज्वेलर्स ललित सोनी, देवेंद्र सांपला, भगवानदास सोनी, पंकज सोनी, प्रदीप चौहान, श्रीराम गुप्ता, लालजी बजाज, संदीप यादव, करतार, चंदगीराम टेलर, भंवर, अरविंद गुप्ता, दीनदयाल सैनी, राकेश चौहान शक्ति कैन्टीन, डालचंद गुप्ता, पीयूष गुप्ता, डिंपल गुप्ता, मुकेश गुप्ता सहित अनेक व्यापारियों व क्षेत्रवासियों का सराहनीय सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि पौष बड़ा महोत्सव का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान पूरे बाजार क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

राजकीय महाविद्यालय सूरजगढ़ में महारानी लक्ष्मीबाई केंद्र के अंतर्गत प्रशिक्षण आरंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

राजकीय महाविद्यालय सूरजगढ़ में राज्य सरकार के आदेशानुसार महारानी लक्ष्मीबाई केंद्र के तत्वावधान में छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया द्य विशिष्ट अतिथियों के रूप में लोकतंत्र सेनानी सज्जन कुमार अग्रवाल, डॉ.अनिल शर्मा अनमोल, महावीर इंटरनेशनल सूरजगढ़ केंद्र के अध्यक्ष मनोहर लाल जांगिड़ उपस्थित रहे इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के सह आचार्य डॉ. सीताराम भार्गव ने की द्य एस.पी. कार्यालय झुंझुनू के निर्देशानुसार दो महिला पुलिस कांस्टेबल शर्मीला, सिलोचना के सानिध्य में महाविद्यालय की 80 छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग

लिया कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. नितेश देवी ने छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु प्रेरित किया द्य कार्यक्रम को लोकतंत्र सेनानी सज्जन कुमार अग्रवाल, डॉ. अनिल शर्मा अनमोल, डॉ. सीताराम भार्गव ने भी संबोधित किया

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत सीआईए टीम रतिया की बड़ी कार्रवाई, 10 किलो 120 ग्राम चूरा पोस्त सहित आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशों के अनुसार फतेहाबाद पुलिस द्वारा ऑपरेशन जीवन ज्योति के अंतर्गत नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत सीआईए टीम रतिया ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीआईए सहायक उप निरीक्षक रिछपाल ने बताया कि दिनांक 08.01.2026 को स्व प्रेम कुमार अपराध जांच शाखा रतिया अपनी टीम के साथ नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु गश्त पर थे। जब पुलिस टीम कमाना मोड़, रतिया के पास पहुंची तो गांव कमाना की ओर से आ रहा एक व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर मोटरसाइकिल मोड़ने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान आरोपी सड़क किनारे गिर गया, जिसे मौके पर काबू कर लिया गया। काबू किए गए व्यक्ति की पहचान भूपिन्द्र सिंह उर्फ प्रीत पुत्र जरनैल सिंह, निवासी महमड़ा, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। आरोपी के कब्जे से एक प्लास्टिक कट्टा बरामद हुआ, जिसमें से 10 किलो 120 ग्राम चूरा पोस्त बरामद किया गया। बरामद मादक पदार्थ को नियमानुसार सील कर कब्जा पुलिस में लिया गया तथा आरोपी की मोटरसाइकिल HR-23G-7567 (HF डिलक्स, काले व लाल रंग की) को भी बतौर केस प्रॉपर्टी जब्त किया गया। इस संबंध में थाना शहर रतिया में मुकदमा नं. 10 दिनांक 08.01.2026, धारा 15-B, 61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामले की गहन जांच जारी है। फतेहाबाद पुलिस ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसी कार्यवाहियां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी।

जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान को दो लाख सैंतालीस हजार रुपए का मिला आर्थिक सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान सीकर में निर्माणाधीन 6 मंजिला प्रोजेक्ट त्रिलोक सिंह रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट भवन के निर्माण कार्यों में सहयोग के लिए जिले के अनेक समाज बंधुओं तथा ग्रामीण जनों द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। संस्थान प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि संस्थान में कुंडली निवासी प्यारेलाल आर्य पुत्र पेमाराम आर्य द्वारा 51 हजार रुपए, कवर पुरा निवासी गिरधारी लाल बिजारणियां पुत्र परसाराम बिजारणियां द्वारा 51 हजार रुपए, सिहोट छोटी निवासी झाबरमल ओला पुत्र टोडाराम ओला द्वारा 51हजार रुपए, परडोली निवासी रामेश्वर बेरवाल पुत्र जगूराम बेरवाल द्वारा 51 हजार रुपए, जेरठी निवासी प्रहलाद जाखड़ पुत्र पृथ्वी सिंह जाखड़ द्वारा 21 हजार रुपए, फतेहपुर निवासी मोहन सिंह मील पुत्र दीपाराम मील द्वारा 11 हजार रुपए व रामसीसर निवासी शिशुपाल सिंह थोरी पुत्र जवाहर राम थोरी द्वारा 11 हजार रुपए की सहयोग राशि भेंट की गई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को दीनबंधु सर छोटूराम की पुण्यतिथि पर उक्त संस्थान को भामाशाहों द्वारा दो लाख सैंतालीस हजार रुपए का सहयोग राशि प्राप्त हुई। जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल व समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया तथा सभी सभी का धन्यवाद व्यक्त किया ।

नशा मुक्ति अभियान को मिली नई गतिः ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत रतिया व जाखल में व्यापक जनसंपर्क और काउंसलिंग अभियान

ड्रग पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग, उपचार और पुनर्वास की दिशा में पुलिस का समन्वित प्रयास

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/जाखल।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जिले में नशा मुक्ति अभियान को निरंतर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद एवं टोहाना द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जाकर ड्रग पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग तथा उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए, नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक सुंदर के कुशल नेतृत्व में अभियान चलाते हुए द्वारा सीएचसी रतिया में दाखिल ड्रग पीड़ितों का हाल-चाल जाना तथा 01 पूर्व चिन्हित पीड़ित को दाखिल करवाया गया । गांव जल्लोपुर तथा रता खेड़ा के पूर्व चिन्हित पीड़ितों की काउंसलिंग करते हुए फीडबैक लिया गया। इसके अलावा शहर फतेहाबाद के 04 पीड़ितों को चिन्हित करके काउंसलिंग उपरांत नागरिक अस्पताल से दवा दिलवाई गई तथा 01 पूर्व चिन्हित को दाखिल करवाया गया। नशा मुक्ति टीम टोहाना प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में थाना जाखल थाना के तहत आने वाले गांव तलवाड़ी,तलवाड़ा शाह साधनवास, मामूपुर का दौरा कर पूर्व में चिन्हित नशा पीड़ितों का हाल-चाल जाना। गांव में नए नशा पीड़ितों नही पाये। पूर्व में चिन्हित नशा पीड़ितों में से अधिकतर नशा पीड़ित उपचाराधिन पाए गए ।नशा पीड़ितों की काउंसलिंग की गई सभी को बतलाया गया टोहाना सरकारी अस्पताल रूम नंबर 14 में नशा पीड़ितों का उपचार किया जा रहा है। इन गांव में फिर से सर्वे व सुनिश्चित करवाया जाएगा कि हर मरीज अपना उपचार शुरू करवाये। टीम ने यह भी अवगत कराया कि आगामी दिनों में अन्य क्षेत्रों में सर्वे जारी रहेगा तथा चिकित्सकों के समन्वय से उपचार कार्य और प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत पुलिस का यह प्रयास न केवल नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए सहारा बन रहा है, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश देते हुए नशा मुक्त भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम भी साबित हो रहा है।

अवैध खनन के विरुद्ध ग्रामीण 12 वें दिन भी धरने पर : बड़े पैमाने पर जनता का विरोध जारी

लीजों की जांच होगी तो कई अधिकारी नप जाएंगे- जयन्त मूण्ड

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी/उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । ग्राम हुकुमपुरा, बामलास, खेदड़ों की ढाणी एवं खरबासों की ढाणी में जारी अवैध खनन के विरुद्ध ग्रामीणों का 12 वे दिन भी धरना जारी है। धरना स्थल से मरुसेना फाउंडेशन के एडवोकेट जयन्त मूंड ने कहा कि हम 12 दिनों से ग्रामीण संग धरने पर बैठे है लेकिन कोई भी प्रशासनिक अधिकारी एवं खनन अधिकारी इसको लेकर कोई एक्शन नही ले रहा। सब खनन माफियाओं से मिले हुए है। इस इलाके में बड़े पैमाने पर खनन अवैध किया जा रहा है। इन आवंटित लीजों के लिए पर्यावरण स्वीकृति,वन स्वीकृति एवं अन्य वैधानिक स्वीकृतियों में बड़ी गड़बड़ झाल है। यदि इनका भौतिक सत्यापन किया जाए तो बहुत बड़ा घोटाला उजागर होगा। हम हमारा संघर्ष जारी रखेंगे चाहे हमें कितने भी समय लगे। स्थानीय प्रशासन हठधर्मिता पर है तो हम भी इस प्रशासन को हमारी ताकत दिखा देंगे। धरने पर मौजूद कैप्टेन विनोद सिंह ने कहा कि झुन्झुनू के खनिज अधिकारी इस भ्रष्टाचार में लिप्त है,इन लीजों की सही जांच होगी तो कई अधिकारी नप जाएंगे और बड़ा खुलासा होगा। हमारा आंदोलन निरन्तर जारी रहेगा। इसके लिए बड़े आंदोलन की रणनीति बनाई जा रही है। एकइस धरने में पूर्व सरपंच दारासिंह मेघवंशी,पूर्व जिला परिषद सदस्य वीरेन्द्र सिंह, एबीवीपी अध्यक्ष गुढ़ा गणेश सैन,युवा नेता प्रदीप यादव कॉमरेड हरिराम सीथल, सूबेदार गिरधर सिंह, सवाई सिंह, सूबेदार महादेव सिंह, लीलाधर मीणा, मुकेश जांगिड़, रामजीलाल सोहु, मनोज शर्मा, संदीप शर्मा, मोनम कुमावत, अब्दुल कायमखानी, नवीन, प्रदीप यादव, इंस्पेक्टर बीरबल राम, कजोड़मल, भादर बिजारणियां, नरेश सिंह, लीलाराम, पूरन मीणा, बनवारी लाल, आनंद सिंह, लालचंद मीणा, मुकेश सोहु, सुरेश खेदड़, रघुवीर बिजारणियां, सुरेन्द्र सिंह, कैप्टन उम्मेद सिंह, पूरन कांटीवाल, अशोक शर्मा, शिमला देवी, जीवनी देवी, सिलोचना देवी, सुमन देवी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

छात्रावास भूमि निरस्तीकरण पर विरोध में उतरे चार समाज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जिला मुख्यालय पर सैनी,सेन, सोनी व पारीक समाज को छात्रावास के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से आवंटित भूमि को वर्तमान सरकार द्वारा निरस्त करने के विरोध में सर्व समाज ने विरोध प्रदर्शन करते हुए जनहित के खिलाफ बताते हुए आदेश को तत्काल बहाल करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के जिला कलक्टर को ज्ञापन दिया। सर्व समाज सीकर की ओर से दिए गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि उक्त भूमि पर छात्रावास निर्माण से समाज के गरीब, ग्रामीण एवं पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा मिलनी थी। भूमि आवंटन निरस्त होने से विद्यार्थियों की शिक्षा, सुरक्षा एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रतिनिधियों ने कहा कि यह निर्णय सामाजिक न्याय और शैक्षणिक विकास की भावना के विपरीत है। सर्व समाज के लोगों ने मांग की कि छात्रावास के लिए पूर्व में जारी भूमि आवंटन आदेश को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाए तथा निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाए, जिससे छात्रों को लाभ मिल सके।जिला कलेक्टर ने ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक भेजने का आश्वासन देते हुए कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पचेरी कलां नौकरी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के आरोपी को गिरफ्तार, फर्जी नियुक्ती पत्र देकर 19 लाख रूपए हड़पे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

पचेरीकलां पुलिस ने नौकरी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 19 लाख रुपए हड़प लिए थे। थानाधिकारी बनवारी लाल यादव ने बताया कि 7 दिसंबर को पचेरीकलां निवासी अनिल कुमार ने इस्तगासे के जरिए रिपोर्ट दी कि परिवादी का मूल गाँव काकड़ा है तथा ग्राम कांकड़ा में ही मेडिकल स्टोर खोल रखा है। आरोपी शेरसिंह परिवादी का परिवार में चाचा लगता है जिसकी दुकान व मकान परिवादी की दुकान के समीप स्थित है। परिवार में चाचा होने से तथा परिवादी के पास परच्चुन की दुकान व रिहायशी मकान होने से परिवादी के इससे अच्छे सम्पर्क व सम्बंध है। इस दौरान उन्होंने उसके लड़के व रिश्तेदारों के लडकों को सरकारी नौकरी लगवा देने की बात कही। जिस पर वह इनके झांसे में आ गया।

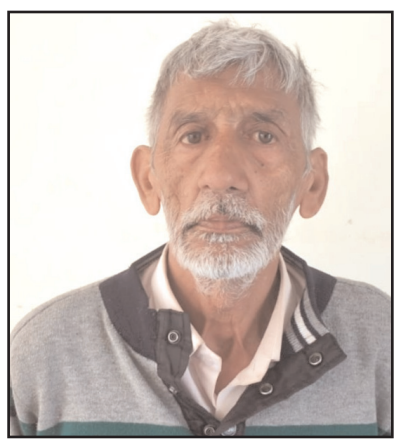

राकेश व विकास आईटीबीपी में सेवारत है उक्त दोनों सरकारी कर्मचारी होने के कारण परिवादी का और विश्वास हो गया। इस पर यह बाते परिवादी ने अपने साले राकेश कुमार निवासी पालड़ी व अपने बहनोई, विजेंद्र, बहन सुनिता निवासी पिचाणवा को बतायी ओर सरकारी नौकरी लगवाने का विश्वास दिलाया। इस दौरान उन्होंने लड़के विशाल व भांजे निखिल के छह -छह लाख व परिवादी के साले के लड़के गजेन्द्र के साथ लाख रुपए में नौकरी लगवाना तय हुआ। इसके बाद आरोपियों ने कार्यालय मुख्य अभियंता जन संसाधन विभाग राजस्थान जयपुर के फर्जी नियुक्ती पत्र देकर परिवादी से 19 लाख रुपए हड़प लिए। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बैक रिकार्ड प्राप्त किया गया तथा अन्य दस्तावेजी साक्ष्य प्राप्त किये गए। मामले में शामिल एक आरोपी को पहले गिरफ्तार कर लिया था। इस दौरान पुलिस ने काकड़ा निवासी शेर सिंह उर्फ सुभाष को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी बनवारी लाल यादव, कांस्टेबल राजेंद्र सिंह, बलकेश आदि शामिल थे।

बाड़मेर में सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे भाजपा नेताः

पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद तख्तियां लेकर महिलाएं पहुंचीं कलेक्ट्रेट, माजीसा मंदिर चोरी के खुलासे की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

बाड़मेर । बाड़मेर माजीसा मंदिर चोरी का खुलासा नहीं होने पर भाजपा नेता और भक्त सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। माजीसा मंदिर से महिलाएं, युवतियां और पुरूष हाथों में पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद की तख्तियां लेकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। वहां पर महिलाओं और युवतियों ने सरकार व पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला कलेक्टर के नाम का ज्ञापन एडीएम को दिया। वकील मुकेश जैन का कहना है कि चोरी को आज 10 दिन बीत गए लेकिन पुलिस अब चोरों को नहीं पकड़ पाई है। तीन दिन में अगर आभूषण बरामद चोरी का खुलासा नहीं करते है तो हम लोग धरने पर बैठेंगे। भाजपा नेता स्वरूप सिंह राठौड़ का कहना है कि बाड़मेर में माजीसा का बहुत बड़ा मंदिर है। यहां पर श्रद्धालुओं और भक्तों का आस्था केंद्र है। कुछ दिन पहले वहां से गहने चोरी हो गए थे। वहां के भक्तों का बड़ा आक्रोश था। चोरी घटना के दिन एसपी और कलेक्टर से फोन पर बात की। तब मैंने उनको स्पेशल टीम बनाकर चोरों को पकड़ जाए।

नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चल रहे मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्यों की करी समीक्षा

घर-घर सत्यापन से मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर जोर - डॉ. समित शर्मा

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अभियान को लेकर लिया फीडबैक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में रोल ऑब्जर्वर एवं झुंझुनूं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. समित शर्मा ने शुक्रवार को नवलगढ़ का दौरा कर नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चल रहे एसआईआर कार्यों की समीक्षा की। डॉ. शर्मा ने नवलगढ़ उपखंड कार्यालय में अधिकारियों से एसआईआर के तहत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन एवं सत्यापन की प्रक्रिया को फील्ड स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। सभी बूथों पर बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर सत्यापन किया जा रहा है, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। प्रभारी सचिव ने कहा कि निर्वाचन आयोग की स्पष्ट मंशा है कि मतदाता सूची में कोई भी अपात्र व्यक्ति शामिल न हो और कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिससे लोकतांत्रिक

प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं मजबूत बनाया जा सके।दौरे के दौरान डॉ. शर्मा ने नवलगढ़ एसडीएम कार्यालय में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की। उन्होंने एसआईआर कार्य को लेकर दलों से फीडबैक लिया तथा उनके द्वारा प्रस्तुत दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजनीतिक दलों द्वारा उठाई गई आपत्तियों का समयबद्ध एवं नियमानुसार निस्तारण किया जाए।डॉ. शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि मतदाता सूची संशोधन कार्य में पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोपरि होनी चाहिए। फील्ड स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान नवलगढ़ एसडीएम कुलदीप , झुंझुनूं एसडीएम कौशल्या बिश्नोई, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

वर्ष 2026-27 में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के बीमा परिपक्वता दावे होंगे ऑनलाइन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

वर्ष 2026-27 में सेवानिवृत्त होने वाले राज्य कर्मचारियों के राज्य बीमा पॉलिसी के परिपक्वता दावों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग की संयुक्त निदेशक योगबाला सुंडा द्वारा जिले के समस्त आहरण वितरण अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिन कार्मिकों की जन्मतिथि 01 अप्रैल 1966 से 31 मार्च 1967 के मध्य है, एलोपैथी चिकित्सा अधिकारियों की जन्मतिथि 01 अप्रैल 1964 से 31 मार्च 1965 तथा एलोपैथी प्रोफेसर की जन्मतिथि 01 अप्रैल 1961 से 31 मार्च 1962 के बीच है, उनकी राज्य बीमा पॉलिसी 31 मार्च 2026 को परिपक्व हो जाएगी। ऐसे कार्मिकों का प्रीमियम कटौती 25 जनवरी 2026 तक की जाएगी, जिसके बाद बीमा कटौती बंद कर दी जाएगी। निर्देशों के अनुसार सभी आहरण वितरण अधिकारी अपने अधीनस्थ कार्मिकों के राज्य बीमा क्लेम 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 के बीच ऑनलाइन कर भिजवाना सुनिश्चित करेंगे। ऑनलाइन क्लेम से पूर्व आईएफएमएस 3.0 पोर्टल पर कार्मिकों का बैंक खाता नंबर एवं आईएफएससी कोड अपडेट करना अनिवार्य होगा। साथ ही सभी कर्मचारियों के आहरण वितरण अधिकारी द्वारा सत्यापित एवं मुहरबंद बीमा पुस्तिका, परिपक्वता विवरण पत्र, कार्मिक का मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी स्कैन कर पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के बीमा दावों का भुगतान समय पर किया जा सके और 01 अप्रैल 2026 को भुगतान हेतु प्रकरण कोष कार्यालय भेजा जा सके।

बाछौला सहकारी समिति ने यूरिया खाद का वितरण किया

भीम प्रज्ञा न्यूज नैनवां/बूंदी।

राकेश कुमार बैरवा । नैनवां सहित आसपास की पंचायतों में भी रबी की फसल के लिए यूरिया खाद की किल्लत बनी हुई है । स्थिति यह है कि किसानों को जरूरत के मुताबिक खाद नहीं मिल रही हैं। इसके चलते कई किसान महंगे दामों पर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं।? इसी बीच बाछौला सहकारी समिति में यूरिया खाद की गाड़ी आई है। ?व्यवस्थापक का कहना है कि सहकारी समिति बाछौला के लिए गाड़ी में यूरिया के कुल 400 कट्टे आए हैं और आज प्रत्येक किसान को बिना अटैचमेंट के दो-दो कट्टे का वितरण किया गया है । इस साल अच्छी बरसात होने के कारण क्षेत्र में रवि फसल सरसों चना और गेहूं की बुवाई सामान्य से दोगुनी हुई है य सरसों व गेहूं में यूरिया का उपयोग अधिक होने से मांग भी तेजी से बढ़ गई है , लेकिन सहकारी समिति में मांग के अनुरूप खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । इसके अलावा खाद कंपनी की ओर से अटैचमेंट के साथ यूरीया भेजने से प्राइवेट डीलरों की रुचि कम हो गई है क्योंकि किसान खाद के साथ अतिरिक्त अटैचमेंट खरीदने का विरोध करते हैं , जबकि खाद की गाड़ियों के साथ अटैचमेंट अनिवार्य रूप से आता है । जिससे वितरण में अड़चन और बढ़ रही है ।

सिकरीबंद शिवालय में महाआरती व पोष बडा कार्यक्रम आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सिकरीबंद शिवालय में पोष बड़ा कार्यक्रम का आयोजन शनिवार 10 जनवरी को शाम 6.30 बजे पोष बडा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ को प्रसाद का भोग लगाने के बाद पंगत प्रसादी होगी तथा महाआरती का आयोजन किया जाएगा तथा में विशाल जागरण आयोजित होगा। इससे पूर्व शनिवार प्रातः 10 बजे 51 किलों दलिया की गौ सवामणी तैयार गौमाता को खिलाई जाएंगी।?

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सोने की चैन झपटमारी मामले में अन्य आदतन सहआरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशों के अनुसार फतेहाबाद पुलिस द्वारा ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने सोने की चैन झपटमारी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अन्य आदतन सहआरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्रा ने बताया कि दिनांक 14.05.2024 को शिकायतकर्ता संतोष सिंगला पत्नी अनिल सिंगला, निवासी मॉडल टाउन फतेहाबाद द्वारा पुलिस चौकी बस अड्डा फतेहाबाद में शिकायत दी गई थी कि जब वह अपनी सास के साथ सुबह योग करने के लिए एम.एम. कॉलेज के पास स्थित योग आश्रम जा रही थी, तो मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चैन छीन ली और मौके से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना शहर फतेहाबाद में धारा 379, 34 IPC के तहत मामला 200/2024 दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था । अब इसी मामले में जांच के दौरान पुलिस टीम ने गहन छानबीन एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सहआरोपी रविन्द्र उर्फ राकेश उर्फ शिव कुमार पुत्र रतिभान उर्फ भूप सिंह, निवासी मस्तगढ़, जिला शामली (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है । फतेहाबाद पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ फतेहाबाद के कोच दीपक कंबोज का नाम: एस.पी. सिद्धान्त जैन ने सम्मानित कर दी शुभकामनाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन, आईपीएस ने जानकारी देते हुए बताया कि अपने फतेहाबाद जिले के रतिया क्षेत्र के गांव चिम्मों निवासी अंतर्राष्ट्रीय युवा क्रिकेट कोच दीपक कंबोज का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। कोच दीपक कंबोज को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया है, जो जिले और प्रदेश के लिए गर्व की बात है। एस.पी. सिद्धान्त जैन, आईपीएस ने बताया कि कोच दीपक कंबोज देश के सबसे युवा क्रिकेट कोचों में शामिल हैं, जिन्होंने मात्र 23 वर्ष की आयु में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम को ऐतिहासिक उपलब्धियाँ दिलाईं। उनकी कोचिंग में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम ने एशिया कप, बांग्लादेश में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला, श्रीलंका के साथ ऑक्सीजन कप, थाईलैंड कप, मलेशिया कप तथा यूएई के शारजाह स्टेडियम में आयोजित विश्व की सबसे बड़ी दिव्यांग प्रीमियर लीग जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि कोच दीपक कंबोज ने ऐसे दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है जिनके हाथ या पैर नहीं थे, बावजूद इसके उन खिलाड़ियों ने क्रिकेट जैसे चुनौतीपूर्ण खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरव दिलाया। दीपक कंबोज का यह योगदान न केवल खेल जगत के लिए बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत प्रेरणादायक है, जिसने दिव्यांग खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स अचीवर अवार्ड मिलने पर कोच दीपक कंबोज के परिवार, गांववासियों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर उनके पिता कश्मीर सिंह, रतिया मीडिया क्लब अध्यक्ष उपेंद्र बोबी गोस्वामी, सचिन लवली गिलहोत्रा तथा शिवम कुमार भी उपस्थित रहें। एस.पी. सिद्धान्त जैन, आईपीएस ने कोच दीपक कंबोज को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे युवा कोच समाज और युवाओं के लिए प्रेरणा हैं तथा फतेहाबाद जिले का नाम राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित कर रहे हैं।

एसपी सिद्धांत जैन आइपीएस ने फतेहाबाद की मिडिया के साथ की चाय पर चर्चा

फतेहाबाद पुलिस के कप्तान की जनता में हो रही है भूरी भूरी प्रशंसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस ने नशे के खिलाफ अपनी सख्त रणनीति और प्रभावी कार्यप्रणाली से महज 14 दिनों के भीतर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियानों के तहत न केवल नशा तस्करों की कमर तोड़ी गई, बल्कि करोड़ों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों को भी जब्त कर समाज को बड़ी राहत दी गई है। इस उपलब्धि की जानकारी पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन आईपीएस ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम के दौरान प्रेस मीडिया के साथ साझा की। इस कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ खुला संवाद हुआ, जहां कानून-व्यवस्था, नशा उन्मूलन और जन सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। पुलिस अधीक्षक ने इन सुझावों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 26 दिसंबर 2025 से 09 जनवरी 2026 तक फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 52 एनडीपीएस अभियोग दर्ज कर 77 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने 1 क्विंटल 20 किलो 572 ग्राम चूरा पोस्त, 250.75 ग्राम हेरोइन, 30.565 किलोग्राम गांजा, 1054 नशीली गोलियां और 500 ग्राम अफीम बरामद की। इनमें से 7 मामले वाणिज्यिक (कमर्शियल) मात्रा के थे, जो यह दर्शाते हैं कि पुलिस ने नशा तस्करी के बड़े नेटवर्क पर सीधा प्रहार किया है। नशे की सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ने के उद्देश्य से 70 सर्च अभियान चलाए गए। वर्ष 2025 को फतेहाबाद पुलिस के लिए उपलब्धियों भरा बताते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस वर्ष अपराध नियंत्रण

फतेहाबाद पुलिस की 14 दिन में नशा तस्करों पर निर्णायक चोट, 52 केस दर्ज कर 77 आरोपी गिरफ्तार, करोड़ों रुपये के मादक पदार्थ जब्त

और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया। इस दौरान 32 सूदखोरों पर शिकंजा कसा गया, 188 दबंगों के खिलाफ कार्रवाई की गई और 1260 ड्रंक एंड ड्राइव चालान काटे गए। नशा तस्करी के मामलों में 45 कमर्शियल मात्रा के एनडीपीएस केस दर्ज किए गए। इसके साथ ही 22 आदतन नशा तस्करों के विरुद्ध धारा 68-F NDPS एक्ट और 35 मामलों में PIT NDPS एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने 2 अवैध नशा मुक्ति केंद्र बंद कराए और 2,25,415 नशीली गोलियां बरामद कीं। गंभीर अपराधों में भी पुलिस ने सफलता दर्ज करते हुए 33 हत्या के मामलों को सुलझाया, जिनमें 2 ब्लाइंड मर्डर केस शामिल हैं। आंकड़ों की तुलना करते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्ष 2024 में फतेहाबाद पुलिस ने 219 अभियोग दर्ज कर 434 आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 295 अभियोग और 645 गिरफ्तारियों तक पहुंच गई, जो कि लगभग 49 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। यह बढ़ोतरी पुलिस की सक्रियता और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट करती है। नशीले पदार्थों की बरामदगी के आंकड़े भी इस सख्ती की गवाही देते हैं। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में चूरा पोस्त, गांजा, हेरोइन और नशीली गोलियों की बरामदगी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जबकि कमर्शियल मात्रा के मामलों की संख्या भी 25 से बढ़कर 45 हो गई। यह इस बात का संकेत है कि पुलिस ने छोटे-बड़े सभी स्तरों पर नशा तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने का काम किया है। इसी कड़ी में थाना सदर फतेहाबाद के अंतर्गत दरियापुर पुलिस चौकी ने नाकाबंदी के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए टोयोटा फॉर्च्यूनर से 5 बोरियों में कुल 91 किलो 110 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। यह वाहन कृष्ण कुमार पुत्र चानन लाल, निवासी नवदीप कॉलोनी, हिसार के नाम पर पंजीकृत है। मामले में थाना सदर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 09 दिनांक 09.01.2026, धारा 15-C, 61/85 NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। जिसको जल्द ही सलाखो के पीछे भेजा जाएगा। फतेहाबाद पुलिस ने नशे के साथ-साथ अन्य संगठित अपराधों पर भी सख्त कार्रवाई की है। शहर फतेहाबाद पुलिस ने वर्ष 2024 के एक स्नैचिंग केस में तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रविंद्र कुमार उर्फ राकेश उर्फ शिव कुमार, निवासी मस्तगढ़, जिला शामली (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर मामले का सफल खुलासा किया। वहीं भट्टू कलां थाना पुलिस और ष्टद्ध फतेहाबाद की संयुक्त टीम ने किरढान फायरिंग केस में बड़ी सफलता हासिल करते हुए अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से चार आरोपी पहले से पुलिस रिमांड पर हैं, जबकि शेष चार आरोपियों को भी हाल ही में गिरफ्तार किया गया है, जिससे इस गिरोह की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगा है। अंत में पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन आईपीएस ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि फतेहाबाद पुलिस नशा मुक्त समाज और सुरक्षित जिले के लक्ष्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आमजन के सहयोग से आने वाले समय में भी नशा तस्करों, अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ इसी प्रकार सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

सेना दिवस से पूर्व रिहर्सल में झुंझुनू जिले की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रेरणादायक भागीदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

सेना दिवस से पूर्व महल रोड, जगतपुरा (जयपुर) में चल रही परेड रिहर्सल के दौरान झुंझुनू जिले से पहुंची आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कड़ाके की ठंड में सेना के जवानों का हौसला बढ़ाया। महिला एवं बाल विकास विभाग, झुंझुनू के नेतृत्व में यह दल जयपुर पहुंचा, जहां उन्होंने रिहर्सल देख सेना के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त किया। उप निदेशक विजेंद्र सिंह राठौड़ के मार्गदर्शन में जिले की विभिन्न आंगनवाड़ी परियोजनाओं से बाल विकास परियोजना अधिकारी, महिला पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने यह संदेश दिया कि देश और राजस्थान की बेटियां किसी से कम नहीं हैं और हर परिस्थिति में राष्ट्र के साथ खड़ी हैं। इस अवसर पर परियोजना पिलानी के सेक्टर पिलानी की महिला पर्यवेक्षक श्रीमती अनीता देवी के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संतोष नायक, बबीता कंवर, पिंकी वर्मा, चंदा देवी, अर्चना देवी, रजनी शर्मा, सुनीता सेनी, विमला देवी, अनीता देवी, सीमा आलडिया तथा सहायिका सरती देवी उपस्थित रहीं। साथ ही भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती रिशाल कंवर, पूर्व पार्षद प्रताप सिंह और विशाल नायक भी जयपुर पहुंचे। सेना दिवस से पूर्व रिहर्सल में आंगनवाड़ी वर्कर्रों और सेना के जवानों के इस जोश, जज्बे और देशभक्ति को सभी ने सलाम किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

डिस्कस थ्रो में अन्नू रानी तो 400 मीटर दौड़ में निशा रानी रही प्रथम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा, पंचकूला के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास परियोजना टोहाना द्वारा शुक्रवार को दमकौरा खेल मैदान में ब्लॉक स्तरीय महिलाओं एवं बालिकाओं की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी अनिता रानी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिनमें 100 मीटर दौड़, 300 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ एवं डिस्कस थ्रो शामिल रहीं। सभी स्पर्धाएं निर्धारित नियमों के अनुरूप एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न करवाई गईं। 100 मीटर दौड़ में हरनकौर ने प्रथम, बनीता ने द्वितीय तथा कुसुम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 300 मीटर दौड़ में मोनिका प्रथम, पिंकी रानी द्वितीय एवं निशा तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर दौड़ में निशा रानी ने प्रथम, पूजा समैन ने द्वितीय तथा पूजा टोहाना ने ही तृतीय स्थान हासिल किया। डिस्कस थ्रो स्पर्धा में अन्नू रानी ने प्रथम, सुनीता ने द्वितीय एवं मनजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 5 किलोमीटर साइकिल रेस में निशा रानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पूजा द्वितीय तथा मनप्रीत तृतीय स्थान पर रहीं। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में मंजू बाला ने प्रथम स्थान हासिल किया, सुमन द्वितीय तथा निर्मला कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रत्येक स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी को 2100 रुपये, द्वितीय स्थान पर 1100 रुपये तथा तृतीय स्थान पर 750 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी अनिता रानी ने बताया इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को खेल गतिविधियों के प्रति प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आयोजन समिति एवं उपस्थित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान सुपरवाइजर करमजीत, रचना, सुमन ढोबी, सुमन, पूजा, आशु, पीटीआई परमजीत, कोच दीपक, पोषण कॉर्डिनेटर नैन्सी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा का भव्य शुभारंभ

(सैकड़ों की सहभागिता, गांव-गांव में गोष्ठियां, दीप यज्ञ व संस्कार कार्यक्रम होंगे आयोजित)

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा का शुभारंभ नवलगढ़ में प्रभात नगर परिक्रमा के साथ श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में हुआ। यात्रा के प्रथम दिन ही नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भारी जनसमर्थन देखने को मिला। रथ यात्रा का नगर में विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा रामदेवरा मंदिर, नानसा गेट, मुख्य बाजार, पोद्दार गेट, बावड़ी गेट, चुना चौक होते हुए गायत्री विद्यापीठ पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने ज्योति कलश का पूजन कर राष्ट्र जागरण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गायत्री परिवार जिला झुंझुनू के संयोजक देवेंद्र सिंह ने गायत्री मंत्र के महत्व और जीवन निर्माण की प्रेरणा देते हुए कहा कि यह यात्रा समाज में नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का माध्यम है। ब्लॉक संयोजक कृष्ण कुमार दायमा ने अधिक से अधिक लोगों से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र का उत्थान व्यक्ति निर्माण से ही संभव है और गायत्री परिवार इसी उद्देश्य से जन-जन तक पहुंच रहा है। यात्रा के अंतर्गत झाझड़ गांव के रेवतीय मंदिर में बड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां कल्याण सिंह झाझड़ के सानिध्य में देव पूजन एवं दीप यज्ञ संपन्न हुआ। यहां गायत्री मंत्र, संस्कार निर्माण और जीवन जीने की कला पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया गया। इसके साथ ही परसरामपुरा के शास्त्री फार्म हाउस पर रामनिवास शास्त्री के सानिध्य में दीप यज्ञ एवं देव पूजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त सरस्वती स्कूल गोठड़ा तथा बुगालिया स्कूल परसरामपुरा में भी संस्कार गोष्ठियों का आयोजन किया गया, जहां वक्ताओं ने विद्यार्थियों व अभिभावकों को जीवन निर्माण के सफल सूत्र, अनुशासित दिनचर्या, सदाचार और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में ट्रस्टीगण बृज मोहन मारोठिया, चिरंजी लाल सैनी, संतोष दायमा, रंजना शर्मा, शंकर गुर्जर, ओमप्रकाश धाभाई, भगवती प्रसाद शर्मा, रामपाल मेवानी, विकेश महरिया, कल्याण सिंह झाझड़, महेंद्र कुमावत, मदन जांगिड़ (चूरू), राकेश सैनी सहित गायत्री परिवार के कई दर्जन परिजनों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। आज 10 तारीख को बसावा, खिरोड़, गोल्याणा, चिराना, टॉडपूरा , में कार्यक्रम करते हुवे नवलगढ़ के अनिकेत भवन मोहन लाल चूड़ीवाल के आवास पर दीप यज्ञ आयोजित होगा।

EX-MLA के डांस पर फिदा हुए प्रताप सिंह खाचरियावास:बोले- पार्टी करनी पड़ेगी; धनदेव ने कहा-फिर 20-25 साल टिकट पक्की?

भीम प्रज्ञा न्यूज

जैसलमेर । जयपुर में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जैसलमेर के 70 वर्षीय पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव के डांस की तारीफ की। कहा- आप देशभर में छाए हुए हो। आपके साथ पार्टी करनी पड़ेगी। इस पर धनदेव ने कहा- फिर तो 20-25 साल तक मेरी टिकट पक्की न ?

दरअसल, रूपाराम धनदेव शुक्रवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की रणनीति के लिए आयोजित बैठक में शामिल होने जयपुर पहुंचे थे। नारायण सिंह सर्किल स्थित तोतूका भवन सभागार के बाहर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई तो खाचरियावास ने धनदेव की तारीफ की।

मंडावर इलाके मे हाईवे किनारे लगा कचरे का पहाड़ सौन्दर्य पर पोत रहा कालिख

राहगीरो व लोगो का सांस लेना हुआ मुश्किल, बीमारी और हादसों का बढा खतरा।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । नगरपालिका क्षेत्र में शहर के मुख्य प्रवेश द्वार से कुछ ही आगे हाईवे किनारे पर लंबे समय से शहर भर की सफाई से निकला कचरा और गंदगी डालकर एक विशाल कचरे का अंबार खड़ा कर दिया गया है, जिससे यह पूरा इलाका बदबू, प्रदूषण और अव्यवस्था का केंद्र बन चुका है। हजारों वाहनों से गुजरने वाले यात्री, राहगीर, आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग इस कचरे से उठने वाली सड़ांध से परेशान हैं, वहीं शहर में प्रवेश करते ही कचरे का यह ढेर मंडावर की सुंदरता और छवि को सीधे कलंकित कर रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि कचरा अब धीरे-धीरे हाईवे की ओर फैलने लगा है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। सबसे चिंताजनक स्थिति उन घुमंतु जाति के परिवारों की है, जो लंबे समय से इसी इलाके में डेरा डाले हुए हैं और इस जहरीली बदबू व गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं। कचरे से उठती दुर्गंध, मक्खी-मच्छरों का प्रकोप और लगातार बढ़ता प्रदूषण इन परिवारों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला कर रहा है और किसी भी समय गंभीर बीमारी या महामारी फैलने का खतरा पैदा कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद नगर पालिका द्वारा कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया, उल्टा रोजाना यहाँ कचरा डालकर इस ढेर को और बड़ा किया जा रहा है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद झाड़ू उठाकर स्वच्छ भारत मिशन का संदेश देते हैं, तो दूसरी तरफ मंडावर में जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदकर इस गंदगी के पहाड़ को बढ़ावा दे रहे हैं। यह स्थिति न सिर्फ स्थानीय प्रशासन की पोल खोल रही है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ खुला खिलवाड़ भी है। शहर का मुख्य प्रवेश मार्ग होने के कारण बाहर से आने वाला हर व्यक्ति सबसे पहले इसी गंदगी से रूबरू होता है, जिससे पूरे शहर की छवि खराब हो रही है। इस गंभीर लापरवाही पर मंडावर के पूर्व सरपंच और मंडावर विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कड़ा आक्रोश जताते हुए कहा है कि यह समस्या अब सहन के बाहर हो चुकी है और यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो मंडावर विकास संघर्ष समिति के बैनर तले इस मुद्दे को सरकार के पटल पर मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल सफाई का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, सुरक्षा और शहर की गरिमा से जुड़ा सवाल है, जिसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। स्थानीय लोगों में भी गुस्सा लगातार बढ़ रहा है और सभी एक सुर में मांग कर रहे हैं कि इस कचरे के ढेर को तुरंत हटाकर इसके निस्तारण की व्यवस्था की जाए, ताकि मंडावर की पहचान बच सके और लोगों को इस गंदगी व सडांध से राहत मिल सके। अब देखना यह है कि नगर पालिका और प्रशासन कब नींद से जागता है और इस गंभीर संकट पर ठोस कार्रवाई करता है या फिर यह कचरे का पहाड़ किसी बड़े हादसे और महामारी का कारण बनकर प्रशासन को कटघरे में खड़ा करेगा।

आगरा-अजमेर एक्सप्रेस अब एलएचबी कोच में दौड़ेगी

यात्रियों को मिलेगा ज्यादा आराम, सुरक्षा और बेहतर सफर का भरोसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर-आगरा।

मनोज खंडेलवाल । यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर यात्रा अनुभव को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने गाड़ी संख्या 12195/12196 आगरा किला-अजमेर एक्सप्रेस को आईसीएफ कोच से एलएचबी कोच में परिवर्तित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके साथ ही गाड़ी की संरचना में भी संशोधन किया जा रहा है, जिससे यह ट्रेन अब और अधिक आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बन जाएगी। एलएचबी कोच अपनी बेहतर सस्पेंशन व्यवस्था, मजबूत ब्रेकिंग सिस्टम और अधिक स्थिरता के लिए जाने जाते हैं, जिससे तेज गति पर भी यात्रियों को झटकों का सामना नहीं करना पड़ता और दुर्घटना की स्थिति में सुरक्षा का स्तर काफी बढ़ जाता है। वर्तमान में यह ट्रेन एसएलआरडी के दो डिब्बों, नौ सामान्य श्रेणी, पाँच द्वितीय श्रेणी, एक एसी चेयर कार, एक एसी द्वितीय और एक एसी तृतीय श्रेणी के साथ कुल उन्नीस डिब्बों के साथ संचालित हो रही है। संशोधित संरचना के अनुसार अब इसमें एक एलएसएलआरडी, एक एलडब्लूआरआरएम, छह सामान्य श्रेणी, पाँच द्वितीय श्रेणी, एक एसी चेयर कार, दो एसी तृतीय श्रेणी और एक एसी द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे, जिससे कुल डिब्बों की संख्या सत्रह रह जाएगी। इस बदलाव से ट्रेन हल्की, संतुलित और ज्यादा सुरक्षित बनेगी, वहीं एसी तृतीय श्रेणी के अतिरिक्त डिब्बे जुड़ने से मध्यम वर्ग के यात्रियों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों से होकर गुजरने वाली यह ट्रेन हजारों यात्रियों के लिए जीवन रेखा जैसी है, जो रोजगार, इलाज, शिक्षा और धार्मिक यात्राओं के लिए इसी पर निर्भर रहते हैं। एलएचबी कोच में परिवर्तन के बाद सफर न सिर्फ आरामदायक होगा बल्कि साफ-सफाई, बेहतर सीट व्यवस्था और आधुनिक शौचालय जैसी सुविधाओं से यात्रियों को नई राहत मिलेगी। रेलवे का यह कदम सीधे तौर पर आमजन की जरूरतों से जुड़ा है और यह दिखाता है कि यात्री सुविधाओं को लेकर अब प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है। आगरा किला से अजमेर के बीच चलने वाली यह ट्रेन राजस्थान और उत्तर प्रदेश के हजारों गांव-कस्बों को जोड़ती है, ऐसे में इसका उन्नयन क्षेत्र के विकास और यात्रियों की सुविधा के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। स्थानीय यात्रियों में इस निर्णय को लेकर खुशी देखी जा रही है और लोग इसे लंबे समय से चली आ रही मांग का पूरा होना बता रहे हैं। एलएचबी कोच में बदली यह ट्रेन अब न सिर्फ तेज और सुरक्षित चलेगी, बल्कि सफर का अनुभव भी पहले से कहीं बेहतर होगा।

विद्युत निगमों में टेक्नीशियन भर्ती का रिजल्ट जारी:

2163 पदों के लिए हुई थी ऑनलाइन परीक्षा, ग्रुप-II और ग्रुप-IV का परिणाम अपलोड

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान के विद्युत निगमों में टेक्नीशियन-थर्ड (ITI), ऑपरेटर-थर्ड (ITI) और प्लांट अटेंडेंट-थर्ड (ITI) के कुल 2163 पदों पर भर्ती के लिए हुई ग्रुप-II और ग्रुप-IV की प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट शुक्रवार, 09 जनवरी को जारी कर दिया गया है। यह ऑनलाइन परीक्षा 24 से 27 नवम्बर 2025 तक राज्य के अलग-अलग जिलों में आयोजित की गई थी। रिजल्ट विद्युत निगमों की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। मुख्य परीक्षा के लिए करीब 10 गुना कैंडिडेट्स को शॉर्टलिस्ट किया गया है। कैंडिडेट्स किसी भी विद्युत निगम की वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। इसके साथ ही मोबाइल नंबर पर SMS के जरिए भी जानकारी दी गई है। विद्युत निगम में टेक्नीशियन भर्ती के लिए कुल 106770 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

राज्य के चारों विद्युत निगमों में होगी सीधी भर्ती

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि अब दूसरे फेज में टेक्नीशियन कैटेगरी के 2163 पदों पर डायरेक्ट भर्ती की जा रही है। इनमें राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के 150, जयपुर विद्युत वितरण निगम के 603, अजमेर विद्युत वितरण निगम के 498 और जोधपुर विद्युत वितरण निगम के 912 पद शामिल हैं।

24 से 27 नवंबर तक दो शिफ्ट में हुई थी परीक्षा

इन पदों के लिए सितंबर 2025 में ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। चार ग्रुप के लिए प्रारंभिक परीक्षा 24 से 27 नवम्बर तक दो शिफ्ट में आयोजित की गई थी। इनमें से ग्रुप-द्वद्व (इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) और ग्रुप-IV (वेल्डर, फिटर) की प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट अब जारी कर दिया गया है।

चौके-छक्कों से ठोके 90 रन

शे होप ने खेली एस20 के इतिहास की सबसे बड़ी पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टी20 लीग एस20 के 2025-26 सीजन में प्रिटोरिया कैपिटल्स के बल्लेबाज शे होप ने एक ऐतिहासिक पारी खेली. डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ 16वें मैच में होप ने नाबाद शतक ठोका और एस20 के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. शे होप ने ये पारी ओपनिंग करते हुए खेली और वह 20 ओवर पूरे होने के बाद नाबाद पवेलियन लौटे.

शे होप ने ठोका ऐतिहासिक शतक- शे होप ने इस मैच में 69 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 118 रनों की पारी खेली. जिसके चलते प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाने में कामयाब रही. इसी के साथ शे होप ने एस20 के एक मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया. उनकी 118 रनों की नाबाद पारी में 9 चौके और इतने ही छक्के शामिल रहे, यानी उन्होंने 90 रन सिर्फ चौके-छक्कों से बटोरे. शे होप से पहले एस20 के एक मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड काइल वेरेयने के नाम दर्ज था. उन्होंने पिछले साल स्न्ड्ढ के खिलाफ 116 रनों की पारी खेली थी, वह भी नाबाद रहे थे. लेकिन शे होप ने उनसे 2 रन ज्यादा बनाए और रिकॉर्ड को तोड़ दिया. दूसरी ओर, शे होप का यह टी20 करियर का 200वां मैच था, जिसमें उन्होंने 195 पारियों में 5,350 रन बनाए हैं और औसत 31.10 का है. इस दौरान उन्होंने अपना चौथा शतक पूरा किया, साथ ही 27 अर्धशतक भी हैं. इस पारी में उन्होंने टी20 करियर में 400 चौके भी पूरे कर लिए, वहीं उनके नाम 244 छक्के दर्ज हैं.

शे होप ने खत्म किया बड़ी पारी का इंतजार- शे होप के लिए ये सीजन अभी तक कुछ खास नहीं रहा था. वह शुरुआती 5 मैचों में सिर्फ 88 रन ही बना सके थे. इस दौरान उनका सबसे बड़ा स्कोर 45 रन ही था. यानी वह एक भी अर्धशतक नहीं जड़ सके थे. लेकिन इस मैच में उन्होंने दमदार वापसी की और तूफानी शतक जड़ा. जो प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए भी एक अहम मौके पर आया, क्योंकि टीम को शुरुआती 5 मैचों में सिर्फ 1 ही जीत मिली है.

नाबालिग शूटर से रेप, आरोपी नेशनल कोच सस्पेंड 21 दिन सदमे में रही

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद की एक नाबालिग शूटर ने कोच पर रेप का आरोप लगाया है। शूटर का कहना है कि कोच ने उसकी परफॉर्मेंस पर बात करने के बहाने फरीदाबाद की फाइव स्टार होटल के रूम में बुलाकर उसके साथ रेप किया। इस घटना के बारे में किसी को बताने पर उसका करियर खत्म करने की भी धमकी दी।

नाबालिग करीब 21 दिनों तक सदमे में रही। इसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी घटना बताई। 6 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फरीदाबाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में होटल के स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है।

उधर, मामले में संज्ञान लेते हुए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आरोपी कोच अंकुश भारद्वाज को सस्पेंड कर दिया है।

एशियाड स्वर्ण विजेता भारतीय एथलीट

भावुक होकर कही यह बात

जिनसन जॉनसन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाड स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी धावक जिन्सन जॉनसन ने 15 साल लंबे करियर के बाद संन्यास की घोषणा की। 2018 उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ साल रहा, जबकि चोटों से जूझने के बाद 2023 में उन्होंने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीता। उनका सफर भारतीय एथलेटिक्स के लिए प्रेरणादायक अध्याय बनकर रहेगा। भारतीय एथलेटिक्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाले एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी मध्यम दूरी के धावक जिनसन जॉनसन ने बुधवार को अपने संन्यास की घोषणा कर दी। 34 वर्षीय केरल के इस एथलीट ने 15 साल लंबे करियर के बाद खेल को अलविदा कहते हुए कहा कि अब उनके जीवन में कुछ नया शुरू करने का समय आ गया है।

देश, कोच और सिस्टम के प्रति आभार

जिनसन ने अपने कोच, साथी खिलाड़ियों, सरकार और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्न्ड्ड) का धन्यवाद करते हुए कहा, 'यह यात्रा अकेले मेरी नहीं थी। पर्दे के पीछे काम करने वाले हर व्यक्ति का दिल से धन्यवाद। आपने दर्द को ताकत और संघर्ष को मजबूती में बदला।'

2018: करियर का सुनहरा साल

जिनसन जॉनसन के करियर का सबसे यादगार साल 2018 रहा। उन्होंने जकार्ता एशियन गेम्स में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए 3 मिनट 44.72 सेकंड का समय निकाला।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड और अंतरराष्ट्रीय मंच

2018 कॉमनवेल्थ गेम्स (गोल्ड कोस्ट) में उन्होंने 1500 मीटर में 3:37.86 का समय निकालकर बहादुर प्रसाद का 23 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। बाद में उन्होंने 2019 में बर्लिन मीट में 3:35.24 सेकंड का समय निकालकर अपना ही रिकॉर्ड फिर बेहतर किया। अपने करियर पर बात करते हुए जॉनसन ने कहा, 'दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना और भारतीय एथलेटिक्स में योगदान देना मेरे जीवन के सबसे गर्व के पलों में से एक रहेगा।'

भावुक संदेश के साथ संन्यास का एलान

जिनसन जॉनसन ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'कोलकाता से एक सपने देखने वाले लड़के के रूप में शुरू हुई यह यात्रा हांगझोउ एशियाई खेलों के पोडियम तक पहुंची। धन्यवाद एथलेटिक्स।' उन्होंने आगे लिखा, 'कुछ यात्राएं मीटर और सेकंड में मापी जाती हैं, और कुछ आंसुओं, त्याग, विश्वास और उन लोगों से, जिन्होंने आपको कभी गिरने नहीं दिया।'

चोट और वापसी की जंग

2019 के बाद कोविड-19 और गंभीर एचिलीज़ टेंडन चोट ने उनके करियर को गहरा झटका दिया। तीन साल तक संघर्ष और रिकवरी के बाद उन्होंने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतकर शानदार वापसी की। यही उनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आखिरी दौड़ साबित हुई।

आईएसएल के लिए उलटी गिनती शुरू, 13 क्लब तैयार

ओडिशा एफसी जल्द ले सकता है फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएसएल के आगामी सत्र के लिए 13 क्लबों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है, जबकि ओडिशा एफसी से अंतिम मंजूरी का इंतजार है। एआईएफएफ को उम्मीद है कि ओडिशा एफसी 14 फरवरी से शुरू होने वाली लीग में शामिल होने की पुष्टि जल्द करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को उम्मीद है कि ओडिशा एफसी 14 फरवरी से शुरू होने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर देगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वाणिज्यिक साझेदार न मिलने के कारण स्थगित हुई आईएसएल अब 14 फरवरी से शुरू होगी और सभी 14 क्लब इसमें हिस्सा लेंगे। हालांकि, सूत्रों के अनुसार ओडिशा एफसी ने लीग में भागीदारी की पुष्टि के लिए गुरुवार तक का समय मांगा है। एक सूत्र के हवाले से कहा, 'अब तक 13 क्लबों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। ओडिशा एफसी ने एक दिन का अतिरिक्त समय मांगा है और एआईएफएफ को उम्मीद है कि वह बृहस्पतिवार को अंतिम पुष्टि कर देगा।' गौरतलब है कि ओडिशा एफसी ने इससे पहले डूरंड कप और सुपर कप में भी हिस्सा नहीं लिया था। इसके अलावा क्लब ने पिछले साल अगस्त में अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के अनुबंध भी समाप्त कर दिए थे। आईएसएल में प्रत्येक टीम को 13 मैच खेलने हैं।

यदि ओडिशा एफसी लीग में शामिल नहीं होती है, तो प्रत्येक टीम को 12 मैच खेलने होंगे और कुल मुकाबलों की संख्या 78 रह जाएगी। इतने कम समय में 91 या 78 मैचों का आयोजन करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। पिछली बार आईएसएल का फाइनल 12 अप्रैल को खेला गया था। इसके अलावा 23 से 31 मार्च तक फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो है, जिसके दौरान भारतीय टीम 2027 एशियाई कप क्वालीफायर के मैच खेलेगी।

आखिरी गेंद पर छक्का उड़ाकर पलटा टी20 मैच

BBL में 19 साल के लड़के ने कर दिया खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग 2026 में मेलबर्न रेनेगेड्स ने रोमांचक मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स को चार विकेट से हरा दिया. पर्थ स्टेडियम में गुरुवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉर्चर्स की टीम 19.2 ओवर में 127 रनों पर सिमट गई. जवाब में रेनेगेड्स ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की. मैच के हीरो 19 साल के पीक रहे, जिन्होंने दर्शकों के शोर के बीच आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई. जीत के लिए उनकी टीम को चार रन चाहिए थे और पीक ने एरोन हार्डी की गेंद को फाइन लेग के ऊपर से स्टैंड्स में भेज दिया. इससे पहले पीक 17वें ओवर में कैच आउट दिए गए थे, लेकिन रिप्ले में गेंद जमीन को छूती दिखी और उन्हें जीवनदान मिला. इसके बाद उन्होंने कप्तान विल सदरलैंड के साथ अहम साझेदारी निभाई. गेंदबाजी में गुरिंदर संधू ने चार विकेट लेकर स्कॉर्चर्स को बड़ा स्कोर बनाने से रोका. पर्थ की ओर से एरॉन हार्डी ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए, लेकिन टीम का मिडिल ऑर्डर बुरी तरह लड़खड़ा गया और आखिरी पांच विकेट सिर्फ 16 रन में गिर गए. पीक को उनकी दमदार पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' दिया गया.

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारत को बड़ा झटका

तिलक वर्मा चोटिल, क्या शुभमन गिल की होगी वापसी?

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। एशिया कप फाइनल के हीरो और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज तिलक वर्मा को पेट में चोट लग गई है। इसकी वजह से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं। भारत 21 जनवरी को नागपुर में शुरू होने वाली सीरीज के लिए उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की कोशिश करेगा, लेकिन इस बात की संभावना कम है कि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पर विचार किया जाएगा। तिलक राजकोट में विजय हजारे ट्रॉफी खेल रहे थे, जब बुधवार सुबह नाश्ते के बाद उन्हें पेट में दर्द महसूस हुआ। इंडियन एक्सप्रेस को पता चला है कि उन्होंने बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के डॉक्टरों से सलाह ली है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक सूत्र ने पुष्टि की, 'तिलक को पेट में बहुत ज्यादा दर्द हुआ। उन्हें तुरंत राजकोट के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां कई तरह के स्कैन किए गए और रिपोर्ट सीओई के डॉक्टरों को भेजी गई।'

गिल की नहीं होगी वापसी- बोर्ड तिलक के रिप्लेसमेंट के तौर पर किसे चुनता है यह देखना दिलचस्प होगा। गिल को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20

सीरीज और वर्ल्ड कप के लिए नजरअंदाज किया गया था और उनके चुने जाने की संभावना कम है। पता चला है कि चयन समिति और टीम मैनेजमेंट उनकी वापसी की इच्छुक नहीं है। तर्क यह है कि टेस्ट और वनडे में भारत के कप्तान को बेंच पर बिठाना या ड्रिंक्स पिलाने का काम देना अजीब होगा।

सर्जरी कराने की सलाह

सूत्र ने बताया, 'डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी करवाने की सलाह दी है, जिससे ठीक होने में उन्हें तीन से चार हफ्ते लगेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी टी20 सीरीज खेलने की संभावना कम लग रही है।' भारत को 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनकी उपलब्धता की ज्यादा चिंता होगी। भारत का पहला मैच अमेरिका के खिलाफ उसी दिन होना है।

हक में यामी गौतम की भूमिका की फराह खान ने की प्रशंसा

यामी गौतम की फिल्म हक में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। आज बॉलीवुड फिल्म निर्माता-निर्देशक फराह खान ने भी उनकी प्रशंसा की है। इसके साथ ही फराह ने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के लिए एक खास नोट भी लिखा है।

फराह ने की यामी केअभिनय की प्रशंसा

नेटफ्लिक्स पर फिल्म देखने के बाद फराह खान ने आज इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म हक का पोस्टर शेयर किया। उन्होंने यामी गौतम की तारीफ में लिखा, हर अवॉर्ड जीतने के लिए तैयार हो जाओ, शानदार प्रदर्शन। फराह ने इमरान हाशमी की भी तारीफ की और कहा कि वे अब तक के बेस्ट हैं। इससे इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म को और ज्यादा अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

फराह से पहले कियारा ने की थी यामी की तारीफ

फिल्म हक पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब यह नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है, जहां ज्यादा लोग इसे देख रहे हैं। फराह से कुछ दिन पहले ही कियारा आडवाणी ने भी फिल्म हक की तारीफ की थी। कियारा ने नेटफ्लिक्स पर फिल्म देखी और लिखा, यामी गौतम, क्या खूबसूरत अभिनय है।

फिल्म हक के बारे में

हक फिल्म को सुपर्ण वर्मा ने निर्देशित किया है। इसमें यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में हैं। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है।

फिल्मों की सफलता को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ग 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है। ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फ्रैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

बॉर्डर 2 लिए के लिए सनी देओल ने सबसे ज्यादा फीस ली

2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2, 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह गणतंत्र दिवस के ठीक पहले आएगी। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म अपनी कास्ट और कहानी की वजह से काफी चर्चा में है। फिल्म के निर्माताओं ने कलाकारों की सैलरी का आधिकारिक खुलासा नहीं किया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सनी देओल सबसे ज्यादा फीस लेने वाले कलाकार हैं। कथित तौर पर उन्होंने अपने रोल के लिए 50 करोड़ रुपये लिए हैं। सनी देओल तो पहली फिल्म में भी थे।

वरुण और दिलजीत दोसांझ की फीस

सनी के अलावा वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ को भी अच्छी फीस मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वरुण धवन ने बॉर्डर 2 के लिए 8-10 करोड़ रुपये फीस ली है। वहीं दिलजीत दोसांझ ने 4-5 करोड़ रुपये लिए हैं।

मुख्य कलाकारों के अलावा सपोर्टिंग रोल में अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा हैं। उनकी सैलरी का सटीक आंकड़ा नहीं बताया गया, लेकिन कहा जा रहा है कि उन्होंने भी करोड़ों में अच्छी रकम ली।

राहुल मोदी से अफेयर की चर्चाओं के बीच श्रद्धा कपूर ने शादी की योजना पर दी प्रतिक्रिया

श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और जबरदस्त फैन फॉलोइंग वाली एक्ट्रेस मानी जाती हैं। यही नहीं वो इंडस्ट्री की मोस्ट डिजायरेबल बैचलर्स एक्ट्रेस में से भी एक हैं। राहुल मोदी के साथ कथित रिलेशनशिप की खबरों के बाद फैंस उनकी शादी का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब आखिर श्रद्धा ने एक फैन को जवाब देते हुए अपनी शादी पर चुप्पी तोड़ी है और शादी पर बात की है।

श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने ज्वेलरी ब्रांड का एक प्रमोशनल वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री यह बताती नजर आ रही हैं कि आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर ब्रेकअप वैलेंटाइन डे के आसपास होते हैं। फिर वह इसके पीछे के संभावित कारणों पर विचार करती हैं और शरारती अंदाज में कहती हैं कि लोग प्यार के इस मौसम में अकेले रहने से बचने के लिए उनके गिफ्ट बॉक्स खरीद सकते हैं। अपने वीडियो के कैप्शन में भी श्रद्धा ने फैंस से यही पूछा है, 'किस किसका ब्रेकअप वैलेंटाइन के करीब हुआ है?'

श्रद्धा कपूर के इस वीडियो पर कई लोगों ने अभिनेत्री से उनकी शादी को लेकर सवाल कर डाला। तो कुछ ने तो उन्हें अपना वैलेंटाइन बनने के लिए ही पूछ लिया। इसी क्रम में एक यूजर ने उनकी शादी की योजना को लेकर सवाल करते हुए, कमेंट में लिखा, 'श्रद्धा जी आप शादी कब करोगे?' ये कमेंट वायरल तब हो गया, जब श्रद्धा ने इस पर रिप्लाई करते हुए अपना जवाब दिया। एक्ट्रेस ने बिना झिझक जवाब देते हुए लिखा, 'मैं करूंगी, विवाह करूंगी।' श्रद्धा का ये जवाब अब सोशल मीडिया पर वायरल है और उनके जल्द ही शादी करने की खबरों को भी बल दे रहा है।

राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा श्रद्धा का नाम

श्रद्धा कपूर का नाम पिछले कुछ वक्त से राहुल मोदी के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर साथ भी देखा गया है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते पर कभी कुछ नहीं बोला। श्रद्धा और राहुल के बीच डेटिंग की अफवाहें सबसे पहले 2024 की शुरुआत में मुंबई में डिनर डेट के बाद एक साथ देखे जाने से उठीं। श्रद्धा कभी-कभी इंस्टाग्राम पर उनकी मजेदार तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। उनके अलग होने की अफवाहें भी उड़ी थीं, लेकिन श्रद्धा ने दिसंबर 2024 में इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ वड़ा पाव डेट की एक तस्वीर पोस्ट करके इन अफवाहों को खारिज कर दिया।

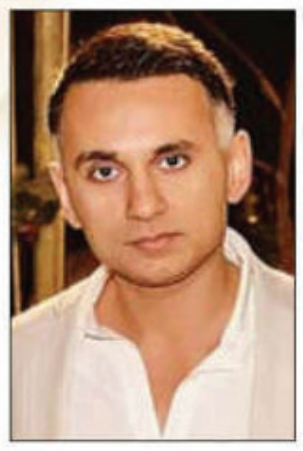

श्रद्धा का वर्कफंट

वर्कफंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर आखिरी बार 'स्त्री 2' में नजर आई थीं। वहीं श्रद्धा के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो इनमें ईथा, जो प्रसिद्ध मराठी लोक कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित एक बायोपिक ड्रामा है। इसके अलावा 'नागिन' और 'स्त्री 3' में भी श्रद्धा के होने की चर्चाएं हैं। हालांकि, 'स्त्री 3' में अभी समय है।

सलमान खान की अगली फिल्म राज एंड डीके के साथ

सलमान खान एक तरफ जहां अपनी फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं वहीं अब उनके अगले प्रॉजेक्ट की खबर सामने आई है। कहा जा रहा है कि सलमान की द फैमिली मैन के लिए मशहूर फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके के साथ नए प्रॉजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। द फैमिली मैन मेकर्स के साथ सलमान खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। वहीं अब उन ताजा खबर ये है कि सलमान की द फैमिली मैन के लिए मशहूर फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके के साथ नए प्रॉजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि जिस प्रॉजेक्ट पर उनकी बातचीत चल रही है वो एक एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। ये फिल्म सलमान की असल जिंदगी और उनकी जादुई पर्सनैलिटी से मैच खाएगी। सलमान खान ने राज और डीके के साथ इस प्रॉजेक्ट में काफी रुचि दिखाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान ने दोनों निर्माताओं से फिल्म का बेसिक आइडिया समझा है और इसमें रुचि दिखाई है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म बताई जा रही है, लेकिन इसमें खान को एक अलग अंदाज में पेश किया जाएगा।

मेकर्स 2026 के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं

हालांकि, रिपोर्ट ये भी है कि सलमान खान ने अभी तक इस प्रोजेक्ट को फाइनल हां नहीं कहा है। सलमान खान के व्यस्त शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए फिल्म की टाइमलाइन्स पर चर्चा चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा और खान इस प्रोजेक्ट से जुड़ गए तो मेकर्स 2026 के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल, सारा ध्यान क्रिएटिव तरीके से स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने पर है।

इस बीच, सलमान खान अपनी अगली फिल्म बैटल ऑफ गलवान की तैयारियों में जुटे हैं, जिसका निर्देशन अपूर्वा लखिया कर रहे हैं और जिसे उनकी अपनी फिल्म सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म में खान और चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं और यह सच्ची ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है। फिल्म 17 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राज निदिमोरू ने सामंथा रुथ प्रभु से शादी की

राज और डीके के हालिया प्रॉजेक्ट में द फैमिली मैन 3 शामिल है जिसमें मनोज बाजपेयी श्रीकांत तिवारी अपनी पुरानी भूमिका को दोहराते दिख रहे हैं। साथ ही प्रियामणि, शारिब हाशमी, गुल पनाग, जयदीप अहलावत और निमरत कौर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें राज निदिमोरू ने 1 दिसंबर, 2025 को कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में एक समारोह में एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु से शादी की।

तापसी ने बताया कैसे करती हैं फिल्मों का चयन

अभिनेत्री तापसी पन्नू अभिनय के अलावा अपने बेबाक बयानों को लेकर भी पहचानी जाती हैं। वो अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती रहती हैं। अब तापसी पन्नू ने अपने करियर को लेकर बात की और बताया कि कैसे कई फ्लॉप के बाद उन्हें अपने करियर की राह मिली। साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि कोई फिल्म चुनते वक्त उनके लिए क्या बात सबसे मायने रखती है।

दर्शकों से जुड़ने वाली फिल्में करना है पसंद

बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने लगातार फ्लॉप फिल्मों और दिल टूटने के बाद अपनी असली पहचान की खोज के बारे में खुलकर बात की। तापसी ने कहा कि मुझे अपनी असली पहचान पाने के लिए लगातार कई फ्लॉप फिल्मों और दिल तोड़ने वाले अनुभवों से गुजरना पड़ा। मुझे एहसास हुआ कि मैं उन फिल्मों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करती हूं, जिनमें मेरा दिल और दिमाग पूरी तरह से उस चीज से जुड़ा होता है जिसे मैं पेश कर रही हूं। उस प्रोजेक्ट का दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव होता है। इसलिए अब मैं सिर्फ अपनी अंतरात्मा की सुनती हूं। मैं शायद उन प्रोजेक्ट्स को नहीं चुनती जो मेरे बैंक खाते को बढ़ाएं, बल्कि उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरी आर्टिस्टिक क्षमता को निखारें। एक ऐसा नया रास्ता बनाएं जिस पर ज्यादा लोग नहीं चलते।

अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करती हैं तापसी

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने कुछ ऐसे प्रोजेक्ट और भूमिकाएं चुनीं जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। हालांकि, तापसी द्वारा लिए गए कुछ अलग तरह के काम और किरदारों ने उन्हें सफलता दिलाई। तब से वह पारंपरिक फॉर्मूले की परवाह किए बिना अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करती हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपना खुद का एल्गोरिदम बनाया है।

तापसी पन्नू का वर्कफंट

वर्कफंट की बात करें तो तापसी आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'खेल खेल में' नजर आई थीं। यह मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म थी। इसके बाद अब उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में वो लड़की है कहां?, गांधारी और 'दुर्गा' जैसी फिल्में शामिल हैं। वो 'दुर्गा' की शूटिंग भी शुरू कर चुकी हैं।

माही विज और जय भानुशाली ने अलग होने का किया एलान, बच्चों के लिए बने रहेंगे माता-पिता

टेलीविजन इंडस्ट्री की सबसे चहेती जोड़ियों में गिने जाने वाले माही विज और जय भानुशाली ने अपने रिश्ते को लेकर ऐसा फैसला लिया है, जिसने फैंस को हैरानी में डाल दिया है। करीब 15 साल की शादी और लंबे साथ के बाद इस स्टार कपल ने अलग होने की घोषणा कर दी है। हालांकि दोनों ने साफ कर दिया है कि यह फैसला किसी विवाद या नकारात्मकता का नतीजा नहीं है, बल्कि शांति और समझदारी के साथ लिया गया एक फैसला है।

सोशल मीडिया पर जारी किया स्टेटमेंट

सोशल मीडिया पर साझा किए गए संयुक्त बयान में माही और जय ने न सिर्फ अपने अलग होने की पुष्टि की, बल्कि यह भी भरोसा दिलाया कि वे अपने तीनों बच्चों के लिए हमेशा एकजुट रहेंगे। माही विज और जय भानुशाली ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक जैसा नोट शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने जिंदगी के सफर में अब अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भले ही वे पति-पत्नी के रूप में साथ न हों, लेकिन एक-दूसरे के लिए सम्मान, सहयोग और दोस्ती हमेशा बनी रहेगी। बयान में यह भी साफ किया गया कि इस फैसले में कोई 'विलेन' नहीं है, न ही किसी तरह की कड़वाहट। दोनों ने फैंस और मीडिया से अपील की कि वे इस फैसले को ड्रामा या विवाद की तरह न देखें, बल्कि शांति और समझ के साथ स्वीकार करें।

'हमारे बच्चों के लिए सबसे अच्छे माता-पिता बनेंगे'

इस पूरे ऐलान का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। माही और जय ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा उनके बच्चे रहेंगे- तारा (उनकी बायोलॉजिकल बेटी), खुशी और राजवीर (जिन्हें उन्होंने गोद लिया है)। उन्होंने लिखा कि बच्चों की भलाई के लिए वे न सिर्फ जिम्मेदार माता-पिता बनेंगे, बल्कि जरूरत पड़ी तो एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त भी रहेंगे। उनका कहना था कि बच्चों की परवरिश, सुरक्षा और खुशी के लिए वे हर मुमकिन कदम साथ मिलकर उठाएंगे।

कब शुरू हुई थीं अलगाव की चर्चाएं?

माही विज और जय भानुशाली के रिश्ते को लेकर पिछले कुछ महीनों से अटकलें लगाई जा रही थीं। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा था और वे अलग-अलग दिशा में आगे बढ़ रहे थे। लंबे समय से दोनों ने साथ में तस्वीरें पोस्ट करना बंद कर दिया था। कभी फैंस के पसंदीदा रहे फैमिली व्लॉग्स भी नजर नहीं आ रहे थे। जून 2024 के बाद कोई भी बड़ा फैमिली कोलैब सामने नहीं आया। हालांकि अगस्त में बेटी तारा के जन्मदिन पर दोनों साथ नजर आए, लेकिन वहां भी उनके बीच दूरी साफ झलक रही थी।

जय और माही की शादी

माही विज और जय भानुशाली की लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित कहानियों में से एक रही है। दोनों ने एक-दूसरे को डेट करने के बाद 2010 में एक निजी समारोह में शादी की थी। शादी के बाद यह जोड़ी रियलिटी शोज, अवॉर्ड फंक्शन्स और सोशल मीडिया पर अक्सर साथ नजर आती थी। दोनों ने हमेशा एक-दूसरे का करियर में समर्थन किया और 'परफेक्ट कपल' की मिसाल माने जाते रहे।

4 घंटे में भूकंप के 9 झटके महसूस... गुजरात के राजकोट में क्यों डोल रही धरती

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात की धरती लगातार डोल रही है। ऐसा लग रहा है मानो जैसे किसी बड़े खतरे की आहट हो। जी हां, गुजरात के राजकोट में आज कई बार धरती कांपी है। राजकोट में महज 4 घंटे में भूकंप के 9 झटके महसूस किए। भूकंप के इन झटकों से लोगों में दहशत का माहौल है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि यह किस तरह का खतरा है। राजकोट जिले के उपलेटा इलाके में शुक्रवार सुबह से ही भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। उपलेटा इलाके में 4 घंटे के भीतर भूकंप के 9 झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर 3.8 की तीव्रता दर्ज हुई। शुक्रवार सुबह 6.19 बजे भूकंप का पहला झटका आया। इसके बाद सुबह एक घंटे के भीतर 6 भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.7 से 3.8 दर्ज की गई। इसके पहले गुरुवार रात को भी 8.43 बजे 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ था। सभी भूकंप का केंद्र उपलेटा से 27 किलोमीटरद के आस पास रहा है। उपलेटा के अलावा धोराजी ओर जेतपुर में भी झटके महसूस हुए हैं। लगातार आ रहे भूकंप के इन झटकों से लोगों में डर का मौहाल बन गया है। फिलहाल, पालिका की टीम जांच के लिए पहुंची है और लोगों से न डरने की अपील की गई है। लोगों को सचेत रहने की प्रशासन ने अपील की है। डर का आलम यह है कि भूकंप के कारण जेतपुर की स्कूल में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

जयदीप राठी हत्याकांड : लकड़ियों और पेट्रोल से जलाया शव, नहर में फेंके अवशेष

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत जिले में इनेलो नेता कुलदीप राठी के भाई और नेत्ररोग विशेषज्ञ जयदीप राठी की हत्या का मामला सुर्खियों में है। पुलिस को अब तक उनके शव के कोई अवशेष नहीं मिले हैं और शव की नहर में तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, 27 दिसंबर को आरोपियों ने राठी की हत्या के बाद उनके शव को जलाया और राख व अस्थियों को कुरुक्षेत्र की नरवाना ब्रांच नहर में बहा दिया। सूत्रों के अनुसार, जयदीप की हत्या कहीं और की गई, लेकिन शव को यमुनानगर ले जाकर जलाया गया। आरोपियों ने शव को जलाने के लिए पशुओं के बाड़े से करीब 15 क्विंटल लकड़ियों का इंतजाम किया और लगभग 10 लीटर तेल छिड़क कर आग लगाई। जांच में यह सामने आया कि आरोपी शव को गाड़ी में घुमाते रहे और फिर राख व अस्थियों को कट्टों में भरकर नहर में बहा गए। पानीपत पुलिस की टीम नरवाना ब्रांच नहर में शव के अवशेष खोज रही है। इसमें स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) और गोताखोर प्रगट सिंह की टीम भी शामिल है। पुलिस ने पहले ही आरोपी जसवंत उर्फ जस्सी से घटनास्थल की पहचान करवाई है और उसी स्थान से दोबारा खोज जारी है। पुलिस के अनुसार, हत्या का मुख्य कारण जमीन विवाद था। जयदीप राठी नेत्ररोग अधिकारी के पद पर कार्यरत थे और इनेलो के जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी के भाई थे। 27 दिसंबर को आरोपियों ने उन्हें डेराबस्सी में मिलने के बहाने बुलाकर गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के दिन जयदीप के बेटे की शिकायत पर अपहरण का केस भी दर्ज किया गया। पुलिस का प्रयास है कि जल्द से जल्द शव के अवशेष बरामद कर आरोपी न्याय के कटघरे में खड़े हों।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने आतिश के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डी.एस.जी.एम.सी.) ने भी आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर दिल्ली पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत पुलिस आयुक्त और संसद मार्ग थाना को सौंपी गई है। शिकायत में आरोप लगाया है कि आप नेता आतिशी की टिप्पणियों से सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। बता दें कि आतिशी द्वारा सिख धर्म से जुड़े गुरुओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने के बाद पूरे देश में सियासी घमासान तेज हो गया। आतिशी के अपमानजनक भाषण का हर ओर विरोध शुरू हो रहा है। असल में यह विवाद श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के मौके पर दिल्ली विधानसभा में हुई विशेष चर्चा से जुड़ा है, जहां पर अतिशी ने कुछ भी सकारात्मक नहीं बोला तथा सिखों के नौवें गुरु का अपमान भी किया।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस को जान से मारने की धमकी

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को एक ईमेल के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिली, इसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है। कोलकत्ता में लोक भवन के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ईमेल भेजने वाले ने राज्यपाल को 'उड़ा देने' की धमकी दी। लोकभवन के अधिकारी ने बताया, ''आरोपी ने ईमेल में अपना मोबाइल नंबर भी दिया है। इस धमकी के बारे में डीजीपी को सूचित किया है और डीजीपी से उस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इस बारे में सूचित किया गया है। इस मामले की सूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी दे दी गई है। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस और सीआरपीएफ मिलकर काम कर रहे हैं। राज्यपाल बोस को जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है और अब उनकी सुरक्षा के लिए लगभग 60-70 केंद्रीय पुलिस कर्मी तैनात हैं।

व्यापारी को निवेश का झांसा देकर बनाया बंधक, बंदूक दिखाकर दो करोड़ लूटे

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के एक व्यवसायी की फर्म में निवेश का वादा करके उन्हें महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बुलाने और उन्हें कई होटलों में बंधक बनाकर बंदूक से डराकर दो करोड़ से जयादा लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 15 से 18 दिसंबर, 2025 के बीच हुई थी और मामले के मुख्य आरोपी ठाणे के मानपाड़ा निवासी अंकित बापू थोम्ब्रे (40) को 6 जनवरी को गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसीपी (अपराध) ने कहा कि गिरफ्तारी मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा इकाई-एक द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि पीड़ित की पहचान शामंतकुमार शादक शारप्पा कार्दर (31) के रूप में हुई है, जो कर्नाटक के शिमोगा के एक व्यवसायी हैं। उन्हें 15 दिसंबर 2025 को एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को अंकित बताया। अंकित ने उनकी कंपनी में निवेश करने में रुचि दिखाई। एसीपी ने कहा कि उसके प्रस्ताव पर भरोसा करते हुए, शिकायतकर्ता ने ठाणे जिले के काशीमीरा की यात्रा की।

हर चीज के लिए नेहरू को दोषी ठहराना ठीक नहीं, कुछ गलतियां मानना जरूरी

-कांग्रेस नेता थरुर बोले- मैं नेहरू का प्रशंसक, लेकिन आंख बंद कर समर्थन नहीं करता

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश के पहले पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू को लेकर तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बड़ा बयान दिया है। थरूर ने कहा है कि वह भारत के पहले पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू को भारतीय लोकतंत्र का संस्थापक मानते हैं, लेकिन उनकी तारीफ आलोचना से खाली नहीं है। थरूर ने माना कि नेहरू के कुछ फैसलों के कारण 1962 में भारत को चीन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन हर चीज के लिए नेहरू को दोषी ठहराना ठीक नहीं। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि नेहरू की गलतियों को मानना जरूरी है, लेकिन भारत की सभी समस्याओं के लिए उन्हें दोष देना गलत है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मैं जवाहरलाल नेहरू का प्रशंसक हूं, लेकिन आंख बंद करके समर्थन नहीं करता। मैं उनकी सोच और दृष्टिकोण की बहुत सराहना करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। हालांकि मैं उनकी सभी नीतियों और विचारों से सौ फीसदी सहमत नहीं हूं। उन्होंने जो कई काम किए, वे सबसे ज्यादा सराहना के योग्य हैं। सबसे अहम बात यह है कि नेहरू ने भारत में लोकतंत्र को मजबूती से स्थापित कियाज्मैं यह नहीं कहूंगा कि मोदी सरकार लोकतंत्र विरोधी है, लेकिन वे निश्चित रूप से नेहरू विरोधी हैं। नेहरू को एक सॉफ्ट टारगेट यानी आसान निशाना बना दिया गया है।

शशि थरूर ने कहा कि केंद्र में मौजूदा सरकार की पंडित नेहरू पर की जा रही आलोचना का कुछ आधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए 1962 में चीन के खिलाफ मिली हार को कुछ हद तक नेहरू के फैसलों से जोड़ा जा सकता है, लेकिन अब जो हो रहा है, वह यह है कि नेहरू को हर बात के लिए दोषी ठहराया जाता है, चाहे मुद्दा कुछ भी हो। थरूर ने कहा कि उन्हें पढ़ने का शौक बचपन में ही लग गया था, जब न टीवी था और न ही मोबाइल फोन। उन्होंने याद किया कि उन्होंने पहली बार बहुत कम उम्र में ही उपन्यास लिखा था, लेकिन बाद में वह स्याही गिरने की वजह से खो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में पढ़ने की आदतें कम हो रही हैं, लेकिन केरल में पढ़ने की संस्कृति अब भी आगे है। कांग्रेस नेता ने दिल्ली के प्रसिद्ध सेंट स्टीफन कॉलेज के अपने कॉलेज के दिनों को भी याद किया, जहां उन्होंने एक बार मंच पर एंटनी का किरदार निभाया था और फिल्म निर्माता मीरा नायर ने क्लियोपेट्रा की भूमिका निभाई थी।

सीएम ममता ने ईडी के खिलाफ कोलकाता के दो पुलिस स्टेशनों में शिकायत दर्ज करा दी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के दो पुलिस स्टेशनों में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा इंडिया पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और इसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी और तलाशी अभियान के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। हालांकि, दोनों शिकायतों में न किसी ईडी अधिकारी और न ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों का नाम है। ये दोनों शिकायतें अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई हैं। सीएम ममता बनर्जी द्वारा दो पुलिस स्टेशनों में दर्ज शिकायतों पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय राज्य मंत्री और पश्चिम बंगाल में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री ममता ने एक बिजनेसमैन को बचाने के लिए खुद दो पुलिस स्टेशनों में शिकायत दर्ज करा दी है। बीजेपी नेता मजूमदार ने कहा, मैं सीएम ममता से अपील करता हूं कि वह कम से कम अपनी कुर्सी की गरिमा बनाए रखें। कलकत्ता हाईकोर्ट की जस्टिस सुव्रा घोष की सिंगल जज बेंच शुक्रवार को ईडी की आई-पैक रेड से जुड़ी तीन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। मुख्य याचिका ईडी की ओर से है, जिसमें बंगाल की मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया है कि उन्होंने इन दो जगहों पर रेड और सर्च ऑपरेशन के दौरान सेंट्रल एजेंसी के अधिकारियों के सरकारी कामों में रुकावट डालकर अपने संवैधानिक पद का गलत इस्तेमाल किया। ईडी की इस मुख्य याचिका के खिलाफ प्रतीक जैन और तृणमूल कांग्रेस की दो जवाबी याचिकाएं हैं।

असम बीजेपी अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज, विपक्ष ने लगाए वोट चोरी के आरोप

-एसआईआर में अगर सुधार नहीं हुआ, तो पूरे राज्य में आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने बीजेपी की राज्य इकाई के अध्यक्ष दिलीप सैकिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। विपक्षी दलों ने बीजेपी पर आने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची में हेरफेर करने का आरोप लगाया। दिसपुर पुलिस थाने में दी गई शिकायत में बीजेपी पार्टी का नाम है। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि असली मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाने के लिए चुनाव आयोग के साथ मिलकर एसआईआर कराई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतें लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने के साथ मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और बिना किसी भेदभाव के समीक्षा करने की मांग की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रिपुन बोरा ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियों ने मिलकर 4 जनवरी को हुई एक लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस का हवाला देते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। रिपुन बोरा ने कहा कि बैठक में सैकिया ने बीजेपी विधायक और जिला अध्यक्षों को हर चुनाव क्षेत्र में पांच हजार से 10 हजार ऐसे वोटरों की पहचान करने का निर्देश दिया जो बीजेपी के समर्थक नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह काम करीब 60 चुनाव क्षेत्रों में किया जाना था और पार्टी नेताओं को 12 जनवरी तक सूची जमा करने के लिए कहा था और एक मंत्री को पूरी प्रक्रिया की देखरेख करने का काम सौंपा था। उन्होंने कहा कि इससे हर चुनाव क्षेत्र से पांच हजार से 10 हजार मतदाताओं को हटाने की बीजेपी की योजना का पता चलता है। यही चिंता राहुल गांधी पूरे देश में उठा रहे हैं और अब यह असम में भी सामने आई है।कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग पर आरोपों की गंभीरता के बावजूद चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर अपराध है। हमने चुनाव आयोग के नियमों और नियमावली के मुताबिक कार्रवाई की मांग करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। यह हमारा लोकतांत्रिक कर्तव्य है।विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर तुरंत सुधार के कदम नहीं उठाए गए, तो वे पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करके अपना आंदोलन तेज करेंगे और कानूनी व संवैधानिक उपाय भी अपनाएंगे। उन्होंने बीजेपी सरकार पर लोकतंत्र-विरोधी और संविधान-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी ने नहीं किया ट्रंप को फोन, इसलिए रुक गया व्यापार समझौता... जयराम से कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को मोदी सरकार पर निशाना साधकर अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक के उन बयानों को साझा किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि नेतृत्व स्तर पर सीधे संवाद की कमी के चलते भारत-अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से चूक गया। उन्होंने लूटनिक के बयान की क्लिप के साथ एक व्यंग्यात्मक हिंदी श्लोक साझा करके केंद्र की विदेश नीति पर कटाक्ष किया, जिससे भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव का संकेत मिलता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा कि हग हग ना रहा, पोस्ट पोस्ट ना रहा, क्या से क्या हो गया बेवफा तेरे दोस्ती में। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी लटनिक के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और

अमेरिका के बीच व्यापार समझौता इसलिए रुका क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया था। अमेरिकी वाणिज्य सचिव लटनिक ने कहा कि अनुबंधों पर बातचीत हो चुकी थी और पूरे सौदे की संरचना तैयार थी, लेकिन अंतिम चरण में सीधे, नेतृत्व स्तर की भागीदारी जरुरी थी। 'मैं अनुबंधों पर बातचीत करता और पूरे सौदे को तैयार करता, लेकिन स्पष्ट कर दूं। यह उनका (ट्रम्प का) सौदा है। अंतिम निर्णय वहीं लेते हैं। वहीं करते हैं। सब कुछ तैयार है, आपको मोदी से बात करनी होगी, राष्ट्रपति को फोन करना होगा। वे ऐसा करने में असहज थे। इसलिए पीएम मोदी ने फोन नहीं किया। उस शुक्रवार को, अगले सप्ताह अमेरिका ने इंडोनेशिया, फिलीपींस, वियतनाम के साथ सौदे किए, हमने कई सौदों की घोषणा की। लटनिक ने ट्रम्प की व्यापक व्यापार वार्ता रणनीति को समझाते हुए एक सीढ़ीनुमा मॉडल बताया। उनके अनुसार, जो देश पहले आगे आए उन्हें सर्वोत्तम संभव शर्तें मिलीं, जबकि जो बाद में आए उन्हें उत्तरोत्तर उच्च दरें पेश की गईं। यूनाइटेड किंगडम के साथ पहले व्यापार समझौते का जिक्र कर लटनिक ने कहा कि ट्रंप से बार-बार पूछा गया कि अगला देश कौन सा होगा, और भारत का नाम सार्वजनिक रूप से कई बार लिया गया।

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' से जुड़े देशवासी : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों से तीन दिवसीय 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की। वह सोमनाथ महादेव मंदिर के न्यासी भी हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, सोमनाथ महादेव मंदिर ज्योतिर्लिंग होने के साथ-साथ सनातन संस्कृति व आध्यात्मिक गौरव की अक्षुण्ण विरासत भी है। बीते हजार वर्षों में इस मंदिर पर कई हमले हुए, लेकिन यह हर बार उठ खड़ा हुआ। यह हमारी सभ्यतागत अमरता और कभी हार न मानने की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा, मंदिर को मिटाने की कोशिश करने वालों के नामो-निशान मिट गए, लेकिन यह मंदिर आज और भी वैभवता के साथ खड़ा है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''सोमनाथ मंदिर की ऐतिहासिकता बताती है कि इसतरह के हमले हमें क्षति पहुंचा सकते हैं, लेकिन मिटा नहीं सकते, क्योंकि हर बार और भी भव्यता और दिव्यता के साथ उठ खड़ा होना सनातन संस्कृति की मूल प्रवृत्ति है। शाह ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वह गुजरात के वेरावल स्थित इस पवित्र मंदिर के न्यासी हैं। उन्होंने कहा, ''मेरी सभी देशवासियों से अपील है कि आप भी आज से 11 जनवरी तक चलने वाले सोमनाथ स्वाभिमान पर्व से जुड़ें।

नगर निगम चुनावों के बीच शिवसेना (यूबीटी) का भाजपा पर तीखा हमला

- सत्ता के लिए विचारधारा छोड़ने का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों में चल रही चुनावी हलचल के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) ने भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। ठाकरे खेमे ने भाजपा पर सत्ता में बने रहने के लिए अपनी मूल विचारधारा से समझौता करने और अवसरवादी राजनीति अपनाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने एआईएमआईएम और कांग्रेस के साथ स्थानीय स्तर पर सामने आए गठबंधनों को लेकर भाजपा की हालिया रणनीतियों को ÷पाखंड का शर्मनाक प्रदर्शन÷ करार दिया है।

शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय के जरिए भाजपा की नीतियों और राजनीतिक चालों पर सवाल खड़े किए हैं। संपादकीय में कहा गया है कि भाजपा की मौजूदा मानसिकता किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहने की है और विपक्ष में बैठने से बचने के लिए वह हर तरह के समझौते करने को तैयार है। ठाकरे गुट का आरोप है कि भाजपा के पास अब कोई ठोस वैचारिक आधार नहीं बचा है और उसका हिंदुत्व केवल स्वार्थी राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक दिखावा

बनकर रह गया है। संपादकीय में यहां तक कहा गया कि सत्ता के बिना भाजपा का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है, यही कारण है कि वह असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के साथ भी हाथ मिलाने को तैयार दिखती है।

'सामना' के संपादकीय में व्यंग्यात्मक और तीखी भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा गया कि सत्ता के लिए भाजपा ने पहले 'अजान' दी, फिर 'निकाह' किया और यहां तक कि 'खतना' भी करवा लिया, लेकिन काजी की दुआएं इतनी तेज रहीं कि यह गुप्त रिश्ता पूरी दुनिया के सामने आ गया। ठाकरे गुट ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विपक्ष के वोटों को बांटने के लिए एआईएमआईएम को अक्सर एक 'छिपे हुए मददगार' के रूप में इस्तेमाल किया है।

शिवसेना (यूबीटी) ने नगर परिषदों में हालिया घटनाक्रमों का हवाला देते हुए भाजपा पर और गंभीर आरोप लगाए हैं। अकोट नगर परिषद में भाजपा पर एआईएमआईएम के साथ 'खुली शादी' करने का आरोप लगाया गया है। वहीं अंबरनाथ नगर परिषद में भाजपा द्वारा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को कमजोर करने के लिए कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने की बात कही गई है। सार्वजनिक आलोचना बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन गठबंधनों से दूरी बनाते हुए इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही, जिसे संपादकीय में ÷ट्रिपल तलाक÷ करार दिया गया। हालांकि ठाकरे गुट का कहना है कि भाजपा की साख को जो नुकसान पहुंचा है, उसकी भरपाई अब संभव नहीं है और महाराष्ट्र में उसकी स्थिति ऐसी हो गई है कि एक बार गई प्रतिष्ठा टंकी भर पानी से भी वापस नहीं लाई जा सकती।

सात माह बाद पिता लालू से मिले तेज प्रताप यादव, दही-चूड़ा भोज के लिए आमंत्रित किया

-लैंड फॉर जॉब मामले में पेशी पर पहुंचा था पूरा परिवार दिल्ली

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के परिवार में शुक्रवार को महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। सात माह बाद उनके बेटे तेज प्रताप यादव ने दिल्ली में अपने पिता लालू यादव से मुलाकात की। यह मुलाकात तब हुई जब तेज प्रताप यादव दिल्ली में राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब मामले में पेशी पर पहुंचे थे। मामले में उनके साथ-साथ उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी कोर्ट में मौजूद थे। पिता लालू से मुलाकात के बाद तेज प्रताप यादव ने बताया कि उन्होंने अपने पिता से आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही, उन्होंने मकर संक्रांति के मौके पर दही-चूड़ा भोज में आमंत्रित किया। तेज प्रताप ने विश्वास जताया कि उनके पिता इस भोज

में जरूर शामिल हो सकते है। इस मुलाकात में उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव शामिल नहीं हुए। बताया गया कि जब तेज प्रताप मीसा भारती के घर पहुंचे, तब तेजस्वी कहीं बाहर चले गए थे। हालांकि, कोर्ट में दोनों भाई एक-दूसरे से मिले थे, लेकिन बातचीत नहीं हुई। तेज प्रताप ने कहा कि वे लैंड फॉर जॉब मामले में लड़ाई जारी रखने वाले हैं, और उन्हें भी सीबीआई ने अभियुक्त बनाया है। वहीं, तेजस्वी यादव ने एक जनवरी को अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया था और मकर संक्रांति के दिन आयोजित होने वाले भोज में कई एनडीए नेताओं को भी न्यौता दिया है। इस बीच, परिवार के सदस्यों के बीच राजनीतिक और पारिवारिक संबंधों को लेकर कई अटकलें भी लगाई जा रही हैं, लेकिन इस मुलाकात से एक चीज स्पष्ट हो गई है कि पिता और बेटे के बीच का रिश्ता अब भी मजबूत है, भले ही दोनों के राजनीतिक दृष्टिकोण में अंतर हो।

माघ मेले में इटली से आई पर्यटक ने भारत को बताया जादुई देश

-यहां के लोग और संस्कृति हैं खास, दस दिन की भारत यात्रा पर है लुक्रेजिया

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी के प्रयागराज में माघ मेला चल रहा है। इसी बीच मेले में इटली से आई एक महिला पर्यटक लुक्रेजिया ने भारत को जादुई देश बताया है। उसने बताया कि यह उसकी तीसरी भारत यात्रा है और हर बार का अनुभव पहले से ज्यादा खास है। लुक्रेजिया ने कहा कि वह अपने पिता के साथ दुनियाभर में यात्रा करती है, लेकिन भारत उसके दिल में एक खास जगह रखता है। उसने कहा कि भारत एक जादुई जगह है। यहां के लोग, खाना, संस्कृति सब कुछ खास है। यही वजह है कि हम बार-बार यहां आते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लुक्रेजिया ने अपनी भारत यात्राओं का जिक्र करते हुए बताया कि वह पहली बार 2024 में भारत आई थीं। इसके बाद वह 2025 में महाकुंभ में आई और अब 2026 में माघ मेले में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंची। लुक्रेजिया ने कहा कि प्रयागराज के बाद मैं वाराणसी जाने की योजना बना रही हैं। लुक्रेजिया इस समय 10 दिनों की भारत यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने अपने आध्यात्मिक गुरु से जुड़ाव और उनसे मिली सीखों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि मेरे गुरु मुझे दया, करुणा और अनावश्यक चीजों को छोड़ना सिखाते हैं। वे कहते हैं कि खुद को स्वीकार करना सबसे बड़ी सीख है। मुझे उनका जीवन जीने का तरीका बहुत पसंद है। माघ मेले के पहले शाही स्नान में विभिन्न सनातन परंपराओं के संतों और महात्माओं ने हिस्सा लिया। 44 दिनों तक चलने वाला माघ मेला 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा के पावन स्नान के साथ त्रिवेणी संगम पर शुरू हुआ था। इस दौरान छह प्रमुख स्नान पर्व होंगे और मेला 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ खत्म होगा। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक लाखों श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इस वर्ष प्रमुख स्नान तिथियों में 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को बसंत पंचमी, 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि शामिल हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। शहर और मेला क्षेत्र में 1,500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आधुनिक उपकरण, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉच टावर और सक्रिय जल पुलिस के जरिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com